चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 159 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

02 दिसंबर 2024 सोमवार

आज का मौसम

30 अधिकतम

21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

किसानों का दिल्ली कूच चारों तरफ लगा महाजाम

नईदिल्ली, एजेंसी

संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में आज हजारों किसान नोएडा से दिल्ली कूच के लिये निकल पड़े हैं। एक दिन पहले ही किसानों और प्रशासन के बीच हाईलेवल मीटिंग हुई थी। लंबे समय से किसान नोएडा की तीनों अथॉरिटी का घेराव करते आ रहे हैं। जब मांगों पर सहमति नहीं बनी तो उन्होंने %दिल्ली चलो% का नारा बुलंद किया। किसान अब संसद घेराव का घेराव करना चाहते हैं। आंदोलन करने वाले किसान संगठन जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को 10 फीसदी विकसित प्लॉट और नए भूमि अधिग्रहण कानून के लाभ देने की मांग उठा रहे हैं। फिलहाल, किसानों के ऐलान के बाद नोएडा और दिल्ली पुलिस अलर्ट है बॉर्डर पर सतर्कता बरती जा रही है। कई जगहों पर बेरिकेड्स लगा दिए गए हैं किसान नेताओं को नजरबंद किया जा रहा है। मगर इससे दिल्ली जाने वाले रास्तों पर भारी जाम लग गया है। चिल्ला बॉर्डर पर वाहनों के पहिये थम रह रहे हैं।

शिक्षाविद ओझा 'आप' में शामिल

नई दिल्ली। जाने माने शिक्षाविद और मोटिवेशनल स्पीकर अवध ओझा आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। कहा जा रहा है कि दोपहर बाद आप की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके पार्टी में शामिल होने का ऐलान किया जाएगा। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इस कॉन्फ्रेंस में वह शिक्षा सेक्टर को लेकर बड़ा ऐलान करने जा रहे हैं, कहा जा रहा है कि इसी कॉन्फ्रेंस में वह अवध ओझा के पार्टी में शामिल होने का ऐलान करेंगे। गोंडा से ताल्लुक रखने वाले ओझा यूपीएससी टीचर और मोटिवेशनल स्पीकर हैं। वह ओझा सर के नाम से लोकप्रिय हैं। दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव के नजरिये से काफी महतवपूर्ण माना जा रहा है।

संभल जाने पर अड़े कांग्रेस नेता

लखन, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कांग्रेस दफ्तर के बाहर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है. ऐसा संभल मामले की जिद की वजह से हुआ है। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने से रोकने के लिए लोकल पुलिस के अलावा दो पीएसी जवानों के बस भी बुलाए गए। आज सुबह से कांग्रेस दफ्तर के आस-पास बैरिकेडिंग है। उत्तर प्रदेश कांग्रेसअध्यक्ष अजय राय ने बताया कि ÷संभल जाने पर रोक 30 नवंबर तक थी और कांग्रेस का वहां जाने का प्लान पहले से ही बना हुआ था। पार्टी डेलिगेशन को किसी तरह से रोका जाए, इसलिए यह रोक 10 दिसंबर तक बढ़ाई गई है।

जीडीपी के आंकडों से बाजार का मूड बिगड़ा, सेंसेक्स धड़ाम

नईदिल्ली, एजेंसी

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज शेयर बाजार ने गिरावट के साथ लाल निशान पर कारोबार की शुरुआत की। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स खुलने के कुछ ही मिनटों में साढे पांच सौ अंक तक गोता लगा गया, जबकि निफ्टी-50 भी सुस्त रफ्तार के साथ ओपन हुआ और 120 अंक फिसलकर कारोबार करता नजर आया। जबकि बीते सप्ताह शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली थी। माना जा रहा है कि हाल में आए भारत की जीडीपी ग्रोथ के सुस्त आंकड़ों का असर शेयर बाजार पर पडा है। उल्लेखनीय है कि पिछले शुक्रवार को बाजार जोरदार तेजी के साथ क्लोज हुआ था। तब सेंसेक्स 79,032.99 पर खुलने के बाद खूब उछला था और 79,923.90 के लेवल तक गया था। हालांकि, बाजार बंद होने पर ये 759.05 अंक की तेजी पर क्लोज हुआ था।

महाराष्ट्र में रोज नया पेंच, आज शाह से वीडियो कॉफ्रेंस करेंगे शिंदे

गृहक्लेश के बीच शिंदे ने कहा जनता मुझे ही मुख्यमंत्री देखना चाहती है...

नई दिल्ली एजेंसी.दोपहर मेट्रो

महाराष्ट्र में नए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान अटकने से राजनीतिक सरगर्मी चरम पर है। इस बीच मौजूदा कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने यह कहकर सनसनी मचा दी है कि जनता मुझे ही सीएम पद पर देखना चाहती है..। विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आए दस दिन होने के बाद इस नये बयान के असर पर सभी की नजरें टिक गई हैं।। महायुति सरकार में पावर शेयरिंग को लेकर सीएम शिंदे की अमित शाह से वीडियो कांफ्रेंसिंग होने की चर्चा है। इसमें चीजों के स्पष्ट होने की उम्मीद की जा ही है। महायुति गठबंधन के पास को 230 सीटें हैं जो बहुमत से 85 सीटें ज्यादा हैं। जानकारों का कहना है कि सीएम पद छोडने के एवज में शिंदे शिवसेना को गृह,उद्योग व शहरी विकास मंत्रालय के लिए अड़े हैं। जबकि भाजपा अभी तक इसके लिए तैयार नहीं हैं। इस गृहकलेश से सरकार का गठन नहीं हो पा रहा है। हालांकि इसके लिये 5 दिसंबर का दिन नियत है।

दरअसल, कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक मीडिया हाउस को इंटरव्यू में कहा है, मैं आम लोगों के लिए काम करता हूं। मैं जनता का मुख्यमंत्री हूं। इसी वजह से लोग मानते हैं कि मुझे ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए। इससे पहले शिंदे रविवार दोपहर अपने गृह जिले सातारा से मुंबई लौटे हैं और अपने 57 विधायकों के संपर्क में हैं। हालांकि उन्होंने कहा है कि- मोदी और शाह जिसे मुख्यमंत्री बनाएंगे, मैं उसका समर्थन करूंगा।आज हम सीएम चुन लेंगे।

दो बार हाथ से फिसल चुका है गृह

महाराष्ट्र में गृह विभाग रखने वाले कैबिनेट मिनिस्टर को दूसरा सबसे पॉवरफुल माना जाता है। ऐसे में जब शिंदे सीएम का पद बीजेपी के लिए छोड़ रहे हैं तब गृह विभाग को लेकर महायुति में 'गृहकलेश' को लेकर कोल्ड वार है। सूत्रों की मानें तो भाजपा किसी भी सूरत में गृह विभाग देने को तैयार नहीं है। शिंदे लंबे समय से यह विभाग चाह रहे हैं। पहले यह देवेंद्र फडणवीस के पास चला गया था और बाद में अजित पवार के दल को मिल गया था।

मुख्यमंत्री यादव ने किया एकात्म धाम का निरीक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव आज खंडवा जिले के प्रवास पर हैं। वे यहां ज्योर्तिलिंग भगवान ओंकारेश्वर की नगरी में बन रहे आदि गुरु शंकराचार्य के एकात्म धाम के निर्माण कार्यों का जायजा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री अपरांह सबसे पहले ओंकारेश्वर पहुंचें। उन्होंने यहां आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा में पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव एकात्म धाम के निर्माण की अद्यतन स्थिति से अवगत भी होंगे।

बाइडेन ने बेटे की सजा माफ की

वाशिंगटन. एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अब अपने बेटे हंटर बाइडन के बचाव में आए हैं। उन्होंने हंटर को माफ करते हुए कहा कि उन्हें सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह उनके बेटे थे। दरअसल राष्ट्रपति ने अपने बेटे हंटर को क्षमादान दे दिया है। रिपब्लिकन नेता के बेटे अवैध तरीके से हथियार रखने और बंदूक के लिए जांच में गलत जानकारी देने के दोषी पाए गए थे। खास बात है कि व्हाइट हाउस की तरफ से कहा जाता रहा है कि बाइडन अपने बेटे की सजा को कम नहीं नहीं करेंगे और न ही माफ करेंगे। मगर अब व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान के अनुसार, बाइडन ने अपने बेटे हंटर के लिए क्षमादान पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। बाइडन ने कहा, मैंने मेरे पूरे कार्यकाल में एक सरल सा नियम अपनाया था कि अमेरिकी लोगों को सच बताना है। मगर मैंने पाया कि कच्ची राजनीति ने इस प्रक्रिया को संक्रमित कर दिया है और इससे न्याय की हत्या हो गई है।

क्या है मामला?

बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने बेटे हंटर को क्षमादान दे दिया है। रिपब्लिकन नेता के बेटे अवैध तरीके से हथियार रखने और बंदूक के लिए जांच में गलत जानकारी देने के दोषी पाए गए थे। खास बात है कि व्हाइट हाउस की तरफ से कहा जाता रहा है कि बाइडन अपने बेटे की सजा को कम नहीं नहीं करेंगे और न ही माफ करेंगे। मगर अब व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान के अनुसार, बाइडन ने अपने बेटे हंटर के लिए क्षमादान पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। बाइडन ने रविवार रात को कहा, मैंने मेरे पूरे कार्यकाल में एक सरल सा नियम अपनाया था कि अमेरिकी लोगों को सच बताना है। इससे उन्हें सब पता होगा और निष्पक्ष दिमाग वाले होंगे।

अभिनेता विक्रांत ने कहा अलविदा!

मुंबई, एजेंसी

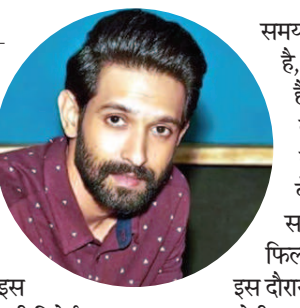

हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'साबरमती रिपोर्ट्स' को लेकर सुर्खियों में रहे एक्टर विक्रांत मैसी ने फिल्म इंडस्ट्री को छोड़ने की बात कहकर सभी को हैरान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। साबरमती रिपोर्ट्स को लेकर उनको काफी धमकियां मिली हैं, जिसको लेकर वह काफी परेशान थे। वह 12वीं फेल फिल्म के बाद रातों रात स्टार बन गए हैं। करियर की पीक पर चल रहे विक्रांत मैसी ने आखिरकार ऐसा फैसला क्यों लिया,इस पर कई लोग अवाक हैं।

अब घर वापसी का समय: विक्रांत ने देर रात अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा- आप सभी को नमस्कार, पिछले कुछ समय से आप लोगों ने मुझे बहुत शानदार समय दिया है। आपके प्यार और समर्थन का मैं बहुत आभारी हूं। अब यह समय जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, मुझको यह एहसास हो रहा है कि मैं खुद पर फिर से काम करूं और घर वापसी कर लूं। पिता, पति और बेटे के तौर पर परिवार के साथ समय बिताऊं। मेरी दो फिल्में 2025 में रिलीज होंगी। इस दौरान आपसे आखिरी बार मुलाकात होगी। आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैसी का सफर बहुत ही संघर्ष भरा रहा है। उन्होंने अपना करियर टीवी इंडस्ट्री से शुरू किया था। फिर बालिका बधू में श्याम सिंह के किरदार से घर-घर में पहचाने जाने लगे।

'द साबरमती रिपोर्ट' मोदी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम चार बजे 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म देखेंगे। प्रधानमंत्री इस फिल्म को संसद भवन के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में देखेंगे। इस दौरान कैबिनेट के कई मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी साथ रहेंगे।

4 दिसंबर को दो नर चीते खुले जंगल में छोड़े जाएंगे

श्योपुर, दोपहर मेट्रो। कूनो नेशनल पार्क के बड़े बाड़े में बंद चीतों को खुले जंगल में छोड़ने की तैयारी हो रही है। अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस (चार दिसंबर) पर नर चीता अग्नि और वायु को बाहर छोड़ा जाएगा। चीतों को छोड़ने के दौरान चीता स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों के साथ कूनो पालपुर के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। खबरों के मुताबिक पहले चीतों को जोड़े में छोड़ने की योजना थी लेकिन फिलहाल नर चीतों को छोड़ा जाना तय किया गया है। अब पर्यटकों को चीते खुले जंगल में दिखाई देने की संभावना बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार एक चीता के लिए करीब 100 वर्ग किमी क्षेत्र की जरूरत होती है। कूनो के जंगल का क्षेत्र करीब 1200 वर्ग किलोमीटर का है।

संसद के सदनों में हंगामा, कार्रवाई स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा की कार्यवाही आज भी नहीं चल पाई और विपक्ष के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दोपहर तक स्थगित करना पड़ी। विपक्ष के हंगामे पर भाजपा सांसद अरुण गोविल ने कहा कि विपक्ष क्या उदाहरण पेश करना चाहता है? विरोध प्रदर्शन का एक सभ्य तरीका होना चाहिए, ये बेहद निंदनीय है। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही भी 12 बजे तक स्थगित रही। विपक्ष मणिपुर हिंसा, अदाणी मामले, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों और अजमेर शरीफ दरगाह विवाद के साथ ही मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग कर रहा है।

मेट्रो एंकर | भारत का हथियार राजस्व भी 6 फीसद बढ़ा

युध्द से हथियार कंपनियों की चांदी, 632 अरब डॉलर कूटे

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के कई देश आपस में लड़ रहे हैं कहीं युध्द की नौबत हैं तो कही एक दूसरे पर हमले किये जा रहे हैं। मगर ढाई साल पहले शुरू रूस-यूक्रेन के बाद इजराइल-फिलीस्तीन में जंग या फिर इंडो पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ता तनाव हथियार बनाने वाली कंपनियों को रास आया है और उनकी चांदी हो गई है। स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की नई रिपोर्ट में जो आंकड़े पेश किए गए हैं, वो इशारा करते हैं कि युद्ध और तनाव के चलते हथियारों की ताबड़तोड़ बिक्री हुई है, जिससे इन्हें बनाने वाली कंपनियों के रेवेन्यू में तगड़ा उछाल आया है। भारत का भी हथियार राजस्व बढ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन संघर्षों के बीच साल 2023 में ही कंपनियों ने 632 अरब डॉलर के हथियार बेच दिए. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ने दुनिया की टॉप-100 हथियार उत्पादक कंपनियों को लेकर एक नई रिपोर्ट जारी की है। इसमें दिए गए आंकड़ों के मुताबिक वैश्विक हथियार कंपनियों के रेवेन्यू में साल 2023 में सालाना आधार पर 4.2 फीसदी का इजाफा हुआ है और ये 632 अरब डॉलर तक बढ़ गया । खासतौर पर यह बढ़ोतरी रूस-यूक्रेन में युद्ध समेत अन्य संघर्षों और इंडो-पैसिफिक सेक्टर में बढ़ते तनाव के बीच हथियारों की जोरदार बिक्री को दर्शाती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का आर्म्स रेवेन्यू 2023 में 6.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो इससे पिछले वर्ष की तुलना में 5.8 फीसदी की बढ़ोतरी को दर्शाता है। टॉप 100 में भारत की तीन कंपनियां हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड शामिल हैं। हथियारों के उत्पादन से रेवेन्यू में आए इस उछाल का श्रेय भारत की मेक इन इंडिया पहल को जाता है।

हथियारों उत्पादन में टॉप पर अमेरिका व चीन

रिपोर्ट में प्रमुख वैश्विक प्लेयर्स, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका चीन और भारत के बीच डिफेंस प्रोडक्शन और खर्चों पर भी प्रकाश डाला गया है। हथियार प्रोडक्शन मामले में अमेरिका ने ग्लोबल लीडर के रूप में अपनी स्थिति को बरकरार रखा है और टॉप-100 में से यहां की 41 कंपनियों ने 317 अरब डॉलर का योगदान दिया है, जो कि हथियार कंपनियों के कुल वैश्विक रेवेन्यू का 50 फीसदी के आस-पास है। यूक्रेन को हथियार सप्लाई व नाटो सहयोगियों द्वारा सैन्य खर्च में वृद्धि से अमेरिकी हथियार उत्पादकों को लाभ हुआ है। अमेरिका की लॉकहीड मार्टिन, रेथियॉन और नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन जैसी कंपनियां मिसाइलों, ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम जैसे उन्नत हथियारों की आपूर्ति करते हुए सबसे आगे रहीं हैं। वैश्विक हथियार राजस्व में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता चीन रहा है। टॉप-100 में 9 कंपनियों ने इसमें 103 अरब डॉलर का रेवेन्यू जोड़ा। हालांकि, चीन में हथियार प्रोडक्शन और बिक्री की ये चाल सालाना आधार पर 0.7 फीसदी घटी है।

महाकुंभ की तैयारियां: उप्र सरकार ने 4 माह के लिए बनाया नया जिला

प्रयागराज, एजेंसी

महाकुंभ-2025 की तैयारियों के बीच श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान रखने और प्रशासनिक कार्यों को बेहतर तरीके से संचालित करने के उद्देश्य से योगी सरकार ने एक अस्थायी जिले का गठन कर दिया है। इसका नाम रखा गया है- महाकुंभ मेला। इस नए जिले को चार तहसील क्षेत्रों के 67 गांवों को जोड़कर बनाया गया है। इस अस्थायी जिले में प्रशासन वैसे ही काम करेगा, जैसे सामान्य जिलों में करता है। कानून-व्यवस्था मजबूत बनाए रखने के लिए नए जिले में अस्थायी रूप से पुलिस थाने और चौकियां बनाई जाएंगी। प्रयागराज में महाकुंभ मेला चार महीनों के लिए ही बनाया गया है। यानी महाकुंभ की तैयारियों से लेकर मेले के सकुशल समापन तक ही ये जिला रहेगा, उसके बाद इसका वर्चस्व स्वत-ही समाप्त हो जाएगा। प्रयागराज के डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने इस अस्थायी जिले के लिए अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि ये संपूर्ण जिला की ही तरह कार्य करेगा. इसमें डीएम, एसएसपी समेत सभी विभागों के पद सृजित किए गए हैं। महाकुंभ मेला जनपद में प्रयागराज के तहसील सदर, सोरांव, फूलपुर और करछना को शामिल किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक तहसील सदर के 25 गांव, तहसील सोरांव के तीन गांव, तहसील फूलपुर के 20 गांव और करछना तहसील के 19 गांव शामिल किए गए हैं।

पटरी पर जल्द आने मेट्रो प्रोजेक्ट ने पकड़ी रफ्तार, टूटने लगे अवरोध

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मेट्रो को सार्वजनिक परिवहन के लिए जल्द पटरियों पर लाने के लिये अब राजधानी में हाल के दिनों में मेट्रो परियोजना का कामकाज तेजी से दौड़ने लगा है। इस प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में सुभाष नगर से करोंद तक के काम में आने वाली रुकावटों को हटाने का सिलसिला जारी है। बोगदा पुल के आजाद नगर में दो महीने पहले कच्चे निर्माणों को हटाया गया था, जबकि डेढ़ दर्जन पक्की दुकानों को हटाने के लिए दुकानदारों ने 10 दिन का समय मांगा था। अब पिछले दिनों जब यह मोहलत भी पूरी हो गई तो इसके बाद मंगलवार को जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर मेट्रो की राह में रुकावट बन रही पक्की दुकानों को जेसीबी की मदद से ढहा दिया। अब यहां से सिविल कार्य शुरु किया जा रहा है। इसके बाद भारत टाकीज स्थित आरा मशीनों को हटाया जाना है। आरा मशीनें बीते दो साल से बडी रुकावट बनी हैं व इन्हें शिफ्ट करने के सारे प्रयास अब तक तो सफल नहीं हुए हैं।

कई निर्माण हटे, अब आरा मशीनें चुनौती

उल्लेखनीय है कि बरखेड़ी फाटक से भारत टाकीज तक मेट्रो के रूट पर 108 आरा मशीनें हैं। करीब 48 साल में इन मशीनों की शिफ्टिंग पर 50 से ज्यादा बार चर्चाएं हो चुकी हैं। आठ लोकेशन भी देखी जा चुकी हैं। लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार छोटा रातीबड़ में 18 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। जहां साड़े पांच करोड़ रुपये से सड़क, बिजली और पानी की सुविधाएं दी जाएंगी, लेकिन अब तक सिर्फ टेंडर की प्रोसेस ही हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग यहां बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराएगा, जिसके बाद अंडरग्राउंड लाइन के लिए मशीनें जा सकेंगी।

9 किमी का दूसरा चरण

दरअसल, मेट्रो का दूसरा चरण सुभाष नगर डिपो से करोंद तक कुल 8.77 किलोमीटर है। यह काम भी दो हिस्से में होगा। दोनों पर 1540 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मिट्टी की टेस्टिंग, डिजाइन समेत अन्य काम हो चुके हैं। अब बाधाओं को हटाने पर फोकस है। जिससे सिविल के काम जल्दी शुरू हो सके।

त्रासदी का नहीं, अब तरक्की का शहर बन रहा भोपाल

मनोज मीक

उस दो व तीन दिसंबर 1984 दरम्यानी रात, भोपाल पर मानो वक्त थम गया। यूनियन कार्बाइड के जहरीले गैस रिसाव ने न केवल हजारों जिंदगियों को खत्म कर दिया, बल्कि इस खूबसूरत शहर की आत्मा को गहरा आघात पहुंचाया। एक ऐसा घाव, जिसे आज 40 साल बाद भी महसूस किया जा सकता है। लेकिन हर दर्द सबक और सामर्थ्य देता है। इस त्रासदी ने भोपाल को उसकी कमजोरियों से अवगत कराया और एक ऐसी प्रेरणा दी, जिसने इस शहर को उठ खड़े होने और अपने भविष्य को फिर से संवारने के लिए मजबूर किया। त्रासदी के बाद, शहर में एक अजीब सी चुप्पी थी। फैक्ट्री के पास बसे लोग अपनी जद्दिगी छोड़कर कहीं और चले गए। जमीन की कीमतें इतनी गिर गई कि लोग उन्हें बेचना भी नहीं चाहते थे।पर समय ने इस चुप्पी को तोड़ा। जिन गलियों में कभी मौत का सन्नाटा था, आज वहाँ विकास की कहानियाँ लिखी जा रही हैं।1984ः भोपाल की आबादी सिर्फ 8.5 लाख थी, जो 2024 में यह बढ़कर लगभग 30 लाख हो गई। इस जनसंख्या वृद्धि ने बताया कि लोग इस विशिष्ट, सामर्थ्यवान और जीवट शहर को अब भी अपना घर मानते हैं।

गैस त्रासदी की चालीसवीं बरसी

आर्थिक विकास और प्रति व्यक्ति आय

1956 में भेल जैसे बड़े औधोगिक क्षेत्र के विकास के बाद कोई बड़ी आर्थिक गतिविधि वाला उद्योग राजधानी को नहीं मिला। 1984 में भोपाल की प्रति व्यक्ति आय 6,000 प्रति वर्ष थी, जबकि भारत का राष्ट्रीय औसत ?6,330 प्रति वर्ष था। 2023 में भोपाल की प्रति व्यक्ति आय 1,42,565 प्रति वर्ष है और राष्ट्रीय औसत ?1,72,000 प्रति वर्ष। भोपाल की प्रति व्यक्ति आय अभी भी राष्ट्रीय औसत से काफी कम है, राजधानी की आर्थिक गतिविधियां बढ़ाकर इसे औसत से ऊपर निकालना होगा।

रियल एस्टेट विकास

1985-1990 में त्रासदी के बाद, यूनियन कार्बाइड के आसपास की संपत्ति मूल्य 60 फीसदीतक गिर गई। रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश भारत के औसत 6न्न की वार्षिक दर से कम रहा। अब भोपाल के रियल एस्टेट का बाजार मूल्य लगभग ?40,000 करोड़ है। भारत के औसत शहरी संपत्ति वृद्धि दर 8.5 फीसदी के मुकाबले, भोपाल में यह दर 7.9 फीसदी है। स्थानीय निजी रियल स्टेट प्रोजेक्ट्स ने राजधानी के विकास को गरिमामय गति दी है। ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस के अभाव में नेशनल डेवलपर्स ने भी भोपाल का रुख़ नहीं किया।

एक नया सपना

भोपाल, जो कभी सिर्फ फगैस त्रासदी के शहरफ के नाम से जाना जाता था, अब एक विश्वस्तरीय राजधानी बनने का सपना देख रहा है। क्या यह संभव है? डेटा कहता है, हाँ। भोपाल का भौगोलिक स्थान इसे भारत का केंद्र बनाता है। यह भारत का लार्जेस्ट लैंड-लॉक्ड मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र है। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और अहमदाबाद, सभी यहाँ से लगभग समान दूरी पर हैं। 500 किमी के दायरे में देश के सबसे ज्यादा अर्बन फुटप्रिंट हैं। नेशनल एवरेज- भारत के 80न्न लॉजिस्टिक केंद्र तटीय इलाकों में हैं। लैंड-लॉक्ड क्षेत्रों में यह 30न्न कम हैं। भोपाल इसे संतुलित कर सकता है, खासकर अपनी अनूठी विशेषताओं, लोकेशन, हरित और जुझारू छवि के कारण।

सांसद ने दिए बोर्डिंग पास, राजधानी से गोवा की सीधी उड़ान की शुरुआत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सांसद आलोक शर्मा ने भोपाल से गोवा के लिए सीधी उड़ान सेवा की शुरूआत की और यात्रियों को बोर्डिंग पास अर गुलाब के फूल भेंट किये। सप्ताह में छह दिन चलने वाली ये फ्लाइट भोपाल से गोवा के लिए सीधी उड़ान भरेगी। जिसका फायदा भोपाल वासियों के अलावा प्रदेश भर के लोगों को मिलेगा। सांसद शर्मा ने फ्लाइट के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू का आभार व्यक्त किया। शर्मा ने बताया कि पिछले दिनों ही दिल्ली में नायडू से मुलाकात कर भोपाल से अन्य शहरों के लिए ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को कम करने और यात्रियों की मांग को लेकर भोपाल से पुणे, भोपाल से गोवा, भोपाल से कोलकाता, भोपाल से बेंगलुरु, भोपाल से लखनऊ और भोपाल से चंडीगढ़ के लिए विमान सेवा आरंभ करने की मांग की थी। जिस पर पिछले महीने ही भोपाल से पुणे की फ्लाइट आरंभ हो चुकी है। एयरपोर्ट पर गोवा फ्लाइट के शुभारंभ अवसर पर शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर एवं एक छोटी कन्या से केक कटवाकर फ्लाइट का शुभारंभ किया। भोपाल से गोवा के लिए इंडिगो की फ्लाइट सप्ताह में छह दिन अपराह्न 3.20 पर उड़ान भरेगी। इस अवसर पर राजाभोज विमानतल पर एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी, इंडिगो एयरलाइंस के अधिकारी, एयरपोर्ट स्टाफ एवं नागरिक उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय भारत क्विज के पंजीयन का आज अंतिम दिन

भोपाल। विश्व दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के बीच दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता और समावेशन ब?ाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय स्नेह समावेशी भारत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। लायंस की स्थायी परियोजना संस्था स्नेह के संस्थापक डॉ. पंकज मारू ने बताया कि प्रतियोगिता 2 दिसंबर तक ऑनलाइन चलेगी। मध्यप्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र इसमें निःशुल्क पंजीयन करवा कर शामिल हो सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता में संभाग और राज्य स्तर पर विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। संभाग स्तर पर प्रथम पुरस्कार 1,000, द्वितीय पुरस्कार (दो विजेता) 500, तृतीय पुरस्कार (तीन विजेता) 300 रूपए है। राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार 10 हजार, द्वितीय पुरस्कार (दो विजेता) 5 हजार और तृतीय पुरस्कार (तीन विजेता) को 3 हजार रूपए है। राज्यभर के कुल 396 विजेताओं को 2 लाख 43 हजार 500 की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

300 सेकंड में 15 बहुविकल्पीय प्रश्नों का उत्तर देना होगा

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को 300 सेकंड में 15 बहुविकल्पीय प्रश्नों का उत्तर देना होगा। उन्हें फिफ्टी-फिफ्टी और प्रश्न परिवर्तन जैसी लाइफलाइन भी दी जाएगी। कम समय में उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को बोनस अंक दिए जाएंगे। आयुक्त सामाजिक न्याय डॉ. आर.आर. भोंसले ने बताया कि यह पहल दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और छात्रों में समावेशी सोच को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

बजरंग सेना समिति ने अमावस्या पर किया हनुमान चालीसा पाठ आयोजन

पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी का स्वागत हुआ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

बजरंग सेना समिति द्वारा अमावस्या पर श्री हनुमान चालीसा का पाठ, सतनाम वाहेगुरु का जाप किया। पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी का तीर्थ यात्रा पर वापसी पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर ठाकी दादी दरबार के सेवाधारी गगनदीप ने कहा कि सिख धर्म में हिन्दू भगवान राम को श्री राम चंदर के नाम से जाना जाता है। गुरु ग्रंथ साहिब में राम शब्द 2500 से ज़्यादा बार आता है गुरु नानक देव जी ने आसा दी वार में राम नाम का ज़िक्र किया है। उन्होंने कहा है मेरी आंखें अमृत से भरी हुई हैं और मन राम नाम यानि परमात्मा के प्रेम से भरा है। तीर्थ यात्रा से वापसी पर समाजसेवी महेश खटवानी, घनश्याम पाण्डे, बजरंग सेना समिति के अर्चक पुरोहित, राज कुमार गर्ग, गुरदास रामचंदानी आदि उपस्थित थे।

दीपावली मिलन कार्यक्रम: थोक व फुटकर किराना व्यापारी संघ ने पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी व अन्य पदाधिकारियों का सम्मान किया। दीपोत्सव मिलन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। थोक व्यापारी संघ के अध्यक्ष भरत मोहनानी ने संगठन की गतिविधियों से अवगत कराया। फुटकर व्यापारी संघ के अध्यक्ष चन्द्र कुमार शाहानी ने अतिथियों के सम्मान में गीत प्रस्तुत किया।

विजय नगर सिंधी समाज उत्थान पंचायत चुनाव आनंद अध्यक्ष बने

हिरदाराम नगर.सिंधी समाज उत्थान पंचायत, विजय नगर के चुनाव हुए, चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद रविवार के चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी ने निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की ओर निर्वाचन पत्र सौंपे। बता दे शनिवार को चुनाव के लिए प्रक्रिया पूरी हुई, आठ पदों के लिए हुए निर्वाचन में हर पद पर एक ही नामांकन आया था। पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष चार, सचिव, महासचिव और कोषाध्यक्ष के लिए चुनाव हुए। चुनावी कार्यक्रम के अनुसार एक दिसंबर को सुबह निर्वाचित नामों की घोषणा की गई। अध्यक्ष पद पर आनंद सबधानी, उपाध्यक्ष पद पर राधेश्याम नाथानी, नंदलाल मोतियानी, मनोहर आसूदानी एवं अर्जुन वाधवानी, सचिव पद पर भगवानदास चांदवानी, महासचिव पद पर किशनचंद आसुदानी, एवं कोषाध्यक्ष पद पर हरचंद गुवालानी को पत्र देकर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर सहचुनाव अधिकारी धर्मप्रकाश मोटवानी, समन्वयक सुरेश राजपाल, सहयोगी महेश प्रेमचन्दानी, अशोक हिमथानी उपस्थित थे। गौरतलब है कि सिंधी समाज उत्थान पंचायत समाज के पर्वों को मनाती हैं। युवाओं की शिक्षा के लिए काम करती है। विजय नगर सहित आसपास में निवास कर रहे सिंधी समाज की समस्याओं को भी उठाती है। वहीं सिंधीयत के लिए पंचायत लगातार प्रयास करती रहती है।

साधु वासवानी स्वशासी कॉलेज में आयोजन

हिरदाराम नगर। साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने एड्स जागरूक साप्ताहिक गतिविधियों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ. मीना मोटवानी के निर्देशन में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। एड्स विषय पर व्याख्यान में डॉ. रेनू रावत हिंदी विभागाध्यक्ष एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग की सहायक प्राध्यापक अर्चना चौहान ने स्वयं सेवक को एड्स से होने वाले दुष्परिणाम और बचाव के बारे में बताया। विद्यार्थियों ने एचआईवी एड्स पर भाषण में अपनी जानकारी रखी। जागरूकता का संदेश देते हुए पर रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। तृतीय दिवस स्लोगन /नारे एवं एड्स पर चर्चा की। कार्यक्रम का समापन व आभार राजनीतिक विभागाध्यक्ष व राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के सदस्य श्याम शाक्य ने किया। कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. रश्मि सिलारपुरिया के नेतृत्व में आयोजित किया।

मेट्रो एंकर आरोग्य केन्द्र में दस दिवसीय आवासीय शिविर की शुरूआत

हमेशा स्वस्थ रहने की कला सीखने आए देशभर से आए साधक-साधिकाएं

हिरदाराम नगर. एजेंसी

प्राकृतिक चिकित्सा आरोग्य केन्द्र में दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर की शुरूआत रविवार को हुई, जिसमें विभिन्न स्थानों से कई साधकगण अपक्काहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योगा, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज से भी लाभ की उम्मीद लेकर आए हैं। शिविर की शुरूआत शिविरार्थियों के पंजीयन के साथ हुई, इसके बाद प्राकृतिक चिकित्सकों दिया गया। रेजिडेंशियल मेडिकल ऑफिसर डॉ दिनेश यादव ने व्याख्यान दिया। यादव ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य है बिना दवा तंदुरूस्ती पाना। शिविर में शरीर का शुद्धिकरण कैसे किया जाए यह सिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करना। दिनचर्या में परिवर्तन करेंगे तो ही आप स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे। आप अपने आप को स्वयं स्वस्थ रख सकते हैं। बीमारियों का मुख्य कारण है शरीर में गंदगी का जमा होना और बीमारियों से निजात पाने के लिए एनिमा, उपवास व अपक्काहार का विशेष महत्व है।

ये गतिविधियां होंगी

नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएं, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान। शंका समाधान, ध्यानात्मक क्रियाएं एवं आनंद मेला। बीमारियों को दूर करने में एनिमा, उपवास, अपक्काहार, नींद, शुभ चिंतन व ग्रीन जूस को अपनाकर सदैव स्वस्थ रहने की कला समस्त साधकों को बताई। हेल्थ प्रमोटर सर्टिफिकेट कोर्स की जानकारी भी दी गई। शिविर में प्राकृतिक चिकित्सकों एवं व्याख्यान कर्ताओं द्वारा अलग-अलग विषयों पर सुबह-शाम व्याख्यान दिए जाएंगे और शिविरार्थियों की शंका का समाधान किया जाएगा।

सरकार में वनमंत्री है लेकिन चुनाव हारने के बाद मुश्किल में

नई जमीन तलाशने में जुटे रावत, भोपाल में डटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विजयपुर हार चुके वन मंत्री रामनिवास रावत खुद के लिए नई भूमिका तलाशने में जुटे हैं। इसके लिए वह श्योपुर से भोपाल का चक्कर काट रहे हैं। फिलहाल भोपाल में डटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि सत्ता व संगठन के कई प्रमुख लोगों से उन्होंने मिलने का समय लिया है लेकिन अभी मिल नहीं रहा है। इसलिए बीच–बीच में वे अपने गृह जिला भी चले जाते हैं। वे विभागीय काम अब नहीं कर रहे हैं तथा फाइलें भी लौटा रहे हैं। रावत लंबे समय तक कांग्रेस की टिकट पर विजयपुर से विधायक रहे हैं। उनकी एक अलग धमक कही जाती थी लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का हाथ थाम लिया था और कांग्रेस की टिकट से जीतने के बावजूद विधायकी छोड़ दी थी। जिसके बाद सीट खाली हुई और उस पर उप चुनाव हुए थे, जिसमें भाजपा ने उन्हें उम्मीदवार बनाया था। यही नहीं, चुनाव जीतने के पहले ही उन्हें वनमंत्री भी बना दिया था। तब भी वे विजयपुर से हार गए। अब उनकी स्थिति दोबारा कांग्रेस में जाने जैसी भी नहीं है, हालांकि वह अभी सरकार में जनवरी के पहले सप्ताह तक वन मंत्री रह सकते हैं लेकिन वह हार वाले दिन ही इस्तीफा दे चुके हैं जिसे सरकार कभी भी स्वीकार कर सकती है, जो कि अब तक नहीं किया। ञ्बता दें कि रावत ने 8 जुलाई को मंत्री पद की शपथ ली थी, उन्हें चार महीने से अधिक का समय हो चुका है, पांच महीने होने वाले हैं। कोई भी व्यक्ति बिना चुनाव जीते 6 महीने तक मंत्री रह सकता है।

हारे, इस्तीफा दिया तब भी वन विभाग के ही रेस्ट हाउस में ठहरे

भले ही रावत फिलहाल वन मंत्री हो लेकिन वह हार चुके हैं, वह इस्तीफा भी दे चुके हैं लेकिन जब भोपाल में ठहरने की बारी आई तो सूत्रों के मुताबिक वह वन विभाग के चार इमली क्षेत्र स्थित फारेस्ट रेस्ट हाउस में ठहरे हुए हैं। हालांकि यहां ठहरने में उन्हें कोई कानूनी अड़चन नहीं है। सूत्रों के मुताबिक रावत हार के बाद नई जमीन तलाश रहे हैं इसलिए वह सत्ता व संगठन के कई नेताओं से संपर्क में है बताया जा रहा है कि उन्होंने सीएम से भी मिलना चाहते हैं, लेकिन सोमवार सुबह तक मुलाकात नहीं हो पाई थी।

आए दिन बंद सरकारी लोक परिवहन सेवा को शुरू करने की बातें

सड़क परिवहन निगम कैसे चालू करेगी सरकार, तय नहीं कर पा रहे अधिकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। वर्षों से बंद पड़ी सरकारी सड़क परिवहन सेवाओं को सरकार चालू करना चाहती है लेकिन मॉडल क्या होगा, यह अधिकारी तय ही नहीं कर पा रहे हैं। जबकि जून 2024 से यह कवायद चल रही है जिसे 5 महीने होने को है। अब तक बंद मॉडल को चालू करने का ठोस प्लान नहीं बन सका है। इधर मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशा है कि वह सरकारी लोक परिवहन सेवा को वापस पटरी पर लाएं । इसको लेकर मुख्यमंत्री कई कार्यक्रमों में बात कर रहे हैं।

इतना ही नहीं, परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने भी हाल में राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में सरकारी लोक परिवहन सेवा को बहाल करने को लेकर कई बातें कही है। उन्होंने कहा है कि सरकार व्यापक स्तर पर सेवा शुरू करेगी। रेल नेटवर्क की तरह दूसरे राज्यों को भी इस सेवा से जोड़ा जाएगा। शुरू में बसों की संख्या कम हो सकती है लेकिन इसका रोडमैप बड़ा होगा। इसे पूरी तरह आधुनिक तकनीकी से लैस किया जाएगा, ताकि गड़बड़ियों की कोई गुंजाइश ही न रहे। मंत्री ने यह भी कहा था कि मॉडल में कई तरह के बदलाव किए जा रहे हैं।

2005 से बंद है सपनि 9 माफिया के चंगुल में सेक्टर

प्रदेश में 2005 में सड़क परिवहन निगम बंद है। तब घाटे का हवाला दिया गया था। निगम को बंद करने के बाद ही आम जनता से सरकारी लोक परिवहन सेवा छीन गई थी। जिसका फायदा कुछ नेता व अधिकारियों का गठजोड़ आज भी उठा रहा है। परिवहन माफिया कमाई वाले रूटों पर बसें दौड़ा रहे हैं तो कम कमाई वाले रूट खाली है, यह ढूंढ़े बसें नहीं मिल रही है। आज भी शहरों से गांवों के बीच लोक परिवहन नेटवर्क कमजोर है। लोग निजी वाहनों का उपयोग करते हैं, जिनके पास वाहन नहीं है उनका शहर से संपर्क आसान नहीं है।

सीएम ने कहा था– आदिवासी जिलों से करेंगे शुरुआत

वहीं गत माह राष्ट्रीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यादव ने धार में सरकारी लोक परिवहन सेवा शुरू करने पर खुलकर बात रखी थी। तब उन्होंने कहा था कि इस सेवा को जल्द शुरू कर रहे हैं। अगली बार इस तरह के आयोजनों में आप लोगों को ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में आने की नौबत नहीं आएगी, बल्कि सरकारी बसें मिलेंगी। पूर्व में सरकार की ओर से इस बात का संकेत दिया था कि सरकारी लोक परिवहन सेवा सबसे पहले किसी आदिवासी बाहुल्य संभाग व जिलों से शुरू की जा सकती है ।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण4 दिसंबर से होगा शुरू, 3, 6 और 9वीं के विद्यार्थियों का होगा मूल्यांकन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में 4 दिसम्बर को चयनित सेम्पल शालाओं में कक्षा-3, 6 और 9 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण की रिपोर्ट का केन्द्र सरकार द्वारा नीति निर्धारण में उपयोग किया जाएगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए राज्य शिक्षा केन्द्र ने सर्वेक्षण कार्य में पारदर्शिता रखे जाने के निर्देश मैदानी अमले को दिए हैं। राष्ट्रीय सर्वेक्षण-2024 के संचालन की जिम्मेदारी एनसीईआरटी के पास है, जबकि सीबीएसई को सर्वेक्षण के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश में सर्वेक्षण के सुचारु और निष्पक्ष संचालन के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पेशल ऑब्जर्वर नियुक्त किये हैं। यह ऑब्जर्वर जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक से तालमेल रखकर सर्वेक्षण की व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे। स्पेशल ऑब्जर्वर की जिलेवार नियुक्ति की गयी है। इसके साथ ही जिले में डिस्ट्रिक्ट लेवल को-ऑर्डिनेटर भी बनाये गये हैं। मैदानी अमले को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं कि जिन सेम्पल शालाओं में सर्वेक्षण का कार्य किया जायेगा, उन शालाओं में दर्ज विद्यार्थियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत हो।

विकास के लिये विस्तृत योजना तैयार: केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश में संचालित डाइट्स का सर्वे किया गया है। सर्वे के बाद इन डाइट्स की अधोसंरचना एवं व्यावसायिक विकास के लिये विस्तृत योजना तैयार की गयी है। इस कार्य-योजना के आधार पर वर्तमान में प्रदेश के संचालित सभी डाइट्स को मॉडल डाइट के रूप में विकसित करने के लिये चयनित किया गया है। वर्ष 2023-24 में भोपाल, सीहोर, मंदसौर, सागर, ग्वालियर, खंडवा, रीवा और जबलपुर डाइट को मॉडल डाइट के रूप में विकसित करने के लिये विकास योजना तैयार कर ली गयी है। प्रदेश में वर्तमान में संचालित 50 डाइट्स के माध्यम से शासकीय शालाओं में कार्यरत शिक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

भ्रष्टाचार : विभाग को चार माह में देनी होगी अभियोजन स्वीकृति

केंद्र ने लिया निर्णय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन स्वीकृति को लेकर केंद्र ने अहम निर्णय लिया है। जिसके अनुसार, अब प्रदेश में शासकीय सेवकों पर चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों में संबंधित विभाग को चार माह में अभियोजन स्वीकृति देनी ही होगी। केंद्र सरकार ने इसे लेकर राज्यों को निर्देश दिए हैं। भारत सरकार के कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने सभी राज्यों को इस संबंध में पत्र जारी किया है। ताकि भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन की स्वीकृति देने में विलंब न हो। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार से जु? 274 प्रकरण लोकायुक्त और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में चल रहे हैं। इनमें अधिकतर मामलों में अभियोजन स्वीकृति लंबित है।

अधिकतम एक माह बढ़ाई जा सकती है: कहा गया है कि ऐसे मामलों में चार माह के भीतर आरोपित शासकीय सेवक के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति दी जाए। इसके आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में वैसे तो तीन माह में अभियोजन की स्वीकृति दी जानी चाहिए, पर विशेष परिस्थिति में यह अवधि अधिकतम एक माह बढ़ाई जा सकती है।

कर्मचारी मंच का जन जागरण आंदोलन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच का 10 सूत्रीय मांगों के समर्थन में प्रदेश व्यापी जन जागरण आंदोलन राजधानी से आज शुरू किया गया आंदोलन में कर्मचारी नेता अशोक पांडे जगदीश शर्मा चांद सिंह सिंह राजू सिंह घनश्याम कटारे राजाराम मौरे लव प्रकाश पाराशर भगवान दास बिल्लोरे श्यामलाल विश्वकर्मा के के कहार बद्री गौर शिवप्रसाद सांगुले सत्येंद्र पांडे प्रीतम मेहर आदि शामिल थे। प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि जन जागरण आंदोलन प्रदेश के पांच संवर्ग के अनियमित कर्मचारियों की प्रमुख 10 सूत्रीय मांगों के समर्थन में शुरू किया गया है 10 सूत्रीय मांगे में प्रमुख रूप से स्थाई कर्मियों का वेतनमान संशोधन करके अकुशल स्थाई कर्मियों का 10 हजार करना शामिल है।

केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय ने प्रदान की स्वीकृति

प्रदेश में 7 नए वन स्टॉप सेंटर खुलेंगे अब इनकी संख्या बढ़कर हो जाएगी 64

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में 7 नये वन स्टॉप सेंटर जल्द खोले जाएंगे। इसके बाद प्रदेश में वन स्टॉप सेंटर की संख्या बढ़कर 64 हो जाएगी। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा इसके लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। यह जानकारी महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने दी। मंत्री भूरिया ने बताया कि वन स्टॉप सेंटर झाबुआ जिले के पेटलावाद, इंदौर के रसूलिया, धार के पीथमपुर और मनावर सहित नए जिले पांढुर्ना, मऊगंज और मैहर में खोले जाएँगे। इन जिलों में वन स्टॉप सेंटर खुलने से पीड़ित महिलाएं उनके साथ हुए अत्याचार अथवा घरेलू हिंसा के बारे में बता पाएंगी और व्यवस्था अनुसार अपने जीवन को एक नई दिशा दे सकेंगी। मंत्री भूरिया के अथक प्रयासों से झाबुआ के पेटलावद में नवीन वन स्टॉप सेंटर खुलने से इस क्षेत्र की महिलाओं को किसी भी प्रकार की हिंसा के पश्चात न्याय पाने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। प्रदेश में अब तक 57 ओएससी सेंटर्स संचालित किये जा रहे थे। इन 7 नये वन स्टॉप सेंटर की स्वीकृति मिलने से अब इनकी संख्या 64 हो जाएगी।

महिलाओं को तत्काल बचाव सेवाएं

मंत्री भूरिया ने कहा कि यहां पर हिंसा से प्रभावित महिलाओं को तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया और बचाव सेवाएं, चिकित्सा सहायता, प्राथमिकी दर्ज करने में महिलाओं की सहायता, मनोवैज्ञानिक या परामर्श सहायता, कानूनी सहायता, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के साथ-साथ मुफ्त पुलिस और अदालती कार्यवाही के दौरान सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही इन केंद्रों पर सभी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को अस्थाई रूप से रहने की सुविधा दी जाती है।

संपादकीय

अब सख्त दिशानिर्देश ही रास्ता

उप्र के संभल शहर में जो घट रहा है वह देश पहली बार नहीं देख रहा और इससे फिर जाहिर हो गया है कि प्लेसेस आफ वर्शिप एक्ट जैसा कानून होने के बाद भी बार बार गलती दोहराई जा रही है। मगर एक चूक ने संभल को इस स्थिति में पहुंचा दिया है। इसलिए कल सुप्रीम कोर्ट में संभल में मुगलकालीन मस्जिद का सर्वेक्षण कराने संबंधी एक जिला अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई में चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि मस्जिद समिति को कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करने का मौका मिले। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में निचली अदालत कोई एक्शन ना ले। शीर्ष अदालत ने कहा कि मस्जिद कमेटी अपील करे तो इस मामले में तीन दिन के भीतर सुनवाई की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सर्वे रिपोर्ट सीलबंद रखी जाए, जिला अदालत मध्यस्थता पर विचार कर सकता है। सीजेआई ने कहा कि यह याचिका लंबित रहेगी और इस पर 6 जनवरी के बाद सुनवाई होगी। सीजेआई ने कहा, हम चाहते हैं संभल में शांति रहे, प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए। बहरहाल, यह विवाद भी उसी तरह आकार ले रहा है, जैसे काशी और मथुरा का मामला है। संभल की जामा मस्जिद का मामला संवेदनशील है, ऐसे में पहला सवाल तो यही उठता है कि जिला अदालत ने इतने आनन-फानन में फैसला क्यों दिया? एक याचिका आती है, जिसमें दावा किया जाता है कि इस जगह मंदिर हुआ करता था, जिसे सन 1526 में मुगल बादशाह बाबर ने ध्वस्त कर मस्जिद का निर्माण कराया। याचिका पर उसी दिन सुनवाई होती है और सर्वे का आदेश आ जाता है। आखिर, सर्वे का आदेश देने की इतनी जल्दी क्या थी? प्लेसेस आफ वर्शिप एक्ट 1991 को राम जन्मभूमि विवाद की परछाई में लाया गया था। यह कहता है कि 15 अगस्त 1947 को जो पूजा स्थल जिस धार्मिक स्वरूप में था, वह वैसा ही रहेगा और उसे बदला नहीं जा सकेगा। यहां तक कि एक ही धर्म के भीतर दूसरे संप्रदाय में भी उस स्थल का बदलाव नहीं होगा। जब यह एक्ट आया, तब अयोध्या मामला सुप्रीम कोर्ट में था, और उस मामले को इससे अलग रखा गया। लेकिन, अब यह हो रहा है कि आए दिन किसी जगह को लेकर अदालतों में याचिका डाली जा रही है और आश्चर्य है कि सर्वे के लिए आदेश भी दिया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि विवादों के पिटारे को खोल दिया गया है। इसकी एक वजह खुद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा की गई प्लेसेस आफ वर्शिप एक्ट की अतिरिक्त व्याख्या भी कही जा रही है। मई 22 में चंद्रचूड़ ने कहा था कि किसी पूजास्थल का धार्मिक स्वरूप नहीं बदला जा सकता, लेकिन धार्मिक स्वरूप की जांच करने से कानून नहीं रोकता। इस व्याख्या ने विवादों को पैर जमाने की जगह दे दी। अब इसी की आड़ में तमाम जगह सर्वे की मांग उठ रही है। सुप्रीम कोर्ट में 1991 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं लंबित हैं। दो साल पहले तत्कालीन सीजेआई यूयू ललित की अगुआई वाली बेंच ने केंद्र सरकार से इस मसले पर जवाब मांगा था, जो अभी तक नहीं मिला है। सरकार की चुप्पी से देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा हो रहा है। बेहतर होगा कि सुप्रीम कोर्ट इसमें दखल देकर निचली अदालतों के लिए दिशा-निर्देश जारी करे कि इस तरह के मामलों को किस तरह से हैंडल करना है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा भी कि संभल मामले में निचली अदालत एक्शन न ले। संभल में चार लोगों की जान भी गई है, यह जांच का विषय है,लेकिन जरूरत इसकी भी है कि ऐसी नौबत ही कभी न आए।

मूर्खता वास्तव में कष्टदायक होती है, और यौवन भी कष्टदायक होता है, लेकिन इससे कहीं अधिक कष्टदायक होता है किसी दूसरे के घर में रहना।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1731- बीजिंग में भूकंप से लगभग एक लाख लोग मरे।
- 1939- तत्कालीन सोवियत रूस ने सीमा विवाद को लेकर फिनलैंड पर आक्रमण किया।
- 1759- दिल्ली के सम्राट आलमगीर द्वितीय की उनके मंत्री ने हत्या की।
- 1961- तत्कालीन सोवियत संघ ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिये कुवैत के आवेदन का विरोध किया।
- 1965- गुड़ियों का संग्रहालय दिल्ली की स्थापना मशहूर कार्टूनिस्ट 'के. शंकर पिल्लई' ने की थी।
- 1997- भारत-बांग्लादेश विवादित सीमा क्षेत्र में यथास्थिति बनाये रखने पर सहमत।
- 1999- विश्व के बड़े मीटर वेव रेडियो टेलीस्कोप का पुणे के समीप नारायण गांव में उद्घाटन।
- 2000- प्रियंका चोपड़ा मिस वर्ल्ड बनीं।
- 2001- विश्व प्रसिद्ध पॉप गायक जार्ज हैरिसन का निधन।
- 2002- आईसीसी ने जिम्बाब्वे में न खेलने वाले देशों के खिलाफ़ कार्रवाई की चेतावनी दी।
- 2004- बांग्लादेश की संसद में महिलाओं के लिए 45 प्रतिशत सीटों वाला विधेयक पारित।
- 2008- मुम्बई में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार ने संघीय जाँच एजेंसी के गठन की घोषणा की।
- 1989- भक्ति शर्मा - भारतीय तैराक हैं का जन्म।
- 1945- वाणी जयराम- प्रसिद्ध पार्श्वगायिका जिन्हें 'आधुनिक भारत की मीरा' भी कहा जाता है का जन्म।
- 1944- मैत्रेयी पुष्पा- हिंदी की प्रसिद्ध साहित्यकार हैं का जन्म।
- 1936- सुधा मल्होत्रा - हिन्दी फ़िल्मों की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका का जन्म।
- 1931- रोमिला थापर- भारतीय इतिहासकार का जन्म।
- 1888- गेंदालाल दीक्षित-भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी का जन्म।

निशाना

क्या देते संदेश ?

-कृष्णेन्द्र राय

कर रहा कानून जब ।
अपन कोई काम ।।
ठीक नहीं ये अड़चनें ।
डाले जो तमाम ।।
हाथ में कानून लेकर ।
क्या देते संदेश ?
अराजकता ठीक नहीं ।
बनना यदि विशेष ।।
बेवजह हो हल्ले से ।
है होता नुकसान ।।
होती छवि धूमिल ।
गिरता है सम्मान ।।
हर पल का आक्रोश ।
बन जाती बीमारी ।।
मर्यादा में रह कर ही ।
आगे की तैयारी ।।

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

■ ललित गर्ग

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-

रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएँ अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है-चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफ है, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए।

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक आदर्श समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों-नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

(साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।)

विकसित भारत के निर्माण में अलग भूमिका निभाएंगे औद्योगिक पार्क

■ धनेंद्र कुमार

आज सारे विश्व में भारत के 7 प्रतिशत से अधिक दर से हो रहे सर्वाधिक तीव्र विकास की सराहना हो रही है, जिसके बारे में विश्व बैंक, अर्न्तराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियन विकास बैंक और सभी वैश्विक संस्थाओं ने प्रशंसात्मक टिप्पणी की है और माना है कि इस समय सारे विश्व के आर्थिक विकास के ईंजन में सर्वाधिक योगदान भारत का है। इस सप्ताह जारी अर्न्तराष्ट्रीय संस्था 'मूडीज' ने 'ग्लोबल मेको आउटलुक' रिपोर्ट में कहा है-भारतीय इकोनॉमी 'स्वीट स्पॉट' जो 2024 में 7.2त्न की दर से बढ़ेगी। यह माना जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2025 तक, 4.34 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगी, जो जापान के 4.31 ट्रिलियन डॉलर को पछाड़ देगी । इसका एक कारण यह है कि भारत में 2023 में जीडीपी के विकास की दर 7.8त्न रही जो जापान के 1.9त्न से कहीं अधिक है। इस गति से भारत की अर्थव्यवस्था 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने की आशा है, जिसके फलस्वरूप भारत तब एक विकसित देश के रूप में उभरेगा।इन सारे विकास कार्यक्रमों में देश में इंडस्ट्रियल पार्क, स्मार्ट सिटीज और उनमें विकसित हो रहे छोटे और मध्यम दर्जे के उद्यमों का विशेष योगदान रहेगा, जैसे चीन में शेंजेन के स्पेशल इक्नॉमिक जोन और दूसरे औद्योगिक पार्कों का रहा है। इसी प्रकार अमेरिका में डेट्राइट में ऑटोमोबिल सेक्टर के विकास और सिलिकोन वेली में आईटी सेक्टर के उद्यमों के तेजी से विकास का योगदान रहा है। इसी प्रकार जर्मनी में इंजीनियरिंग उत्पादन के केन्द्रों का देश के जीडीपी के विकास में बहुत योगदान रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था छोटे और मध्यम दर्जों के उद्योगों (एमएसएमई) पर विशेष रूप से निर्भर है और आकंड़ों के मुताबिक देश की एक तिहाई जीडीपी उनसे आती है और लगभग 46त्न निर्यात भी इनके उत्पादनों पर आधारित है। रोजगार सृजन में भी एमएसएमई क्षेत्र का विशेष योगदान है जो जुलाई 2020 से जुलाई 2024 तक लगभग 21 करोड़ अनुमानित है। औद्योगिक पार्कों और केन्द्रों में, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और ट्रांसपोर्टेशन के कारण समन्वित और समग्र विकास से, उत्पादन के लिए सप्लाई चेन की प्रभावी क्षमता में बहुत सुधार होता है और कीमतों में कमी होती है। इसके अलावा इन पार्कों में कुछ बड़े उद्योग जो इन केन्द्रों में एन्कर उद्योगों का काम करते हैं इन अन्य उद्योगों को अनेक प्रकार से सर्पोट प्रदान करते हैं। इन बड़े उद्योगो के विकास और आकर्षण के लिए भारत

सरकार की अनेक योजनाएं, जैसे 'मेक इन इण्डिया', पीएलआई (Production Linked Incentive), पीएम गतिशक्ति इत्यादि कार्यरत हैं। कुल मिलाकर यह देश मे उत्पादन बढ़ाने के लिए ईंजन का काम करते हैं। इस समय भारत में केन्द्र और राज्यों के सहयोग से अनेक औद्योगिक कॉरिडोर देश की अर्थव्यवस्था की धुरी बने हुए हैं और जीडीपी के विकास में पंख लगाने का काम कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से दिल्ली- मुम्बई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और चैनई इंडस्ट्रियल कोरिडोर उल्लेखनीय हैं।

इधर अनेक राज्यों में नए-नए कॉरिडोर और औद्योगिक केन्द्र बन रहे हैं जो देश और क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और देशभर में मध्यम और छोटे शहरों के विकास में भी तेजी ला रहे हैं। इसी प्रकार यू.पी. में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर देश की रक्षात्मक जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसमें 6 केन्द्र होंगे- अलीगढ़, आगरा, कानपुर, चित्रकूट, झांसी और लखनऊ।

अगस्त 2024 में भारत सरकार ने एक महत्वाकांक्षी और युगांत्तरकारी पहल के अन्तर्गत एनआईसीडीपी (राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम) की घोषणा की जिसमें देशभर में 28,600 करोड़ रुपये के निवेश से 11 राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे जिनमें बड़े-बड़े एंकर उद्योग और छोटे और मंझले दर्जे के एमएसएमईज विकसित होंगे और 2030 तक इनके द्वारा 2 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात संभव हो पाएगा जो विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इन 11 औद्योगिक कोरिडोर में दिल्ली- मुम्बई के अतिरिक्त अमृतसर-कोलकता, बंगलुरु- मुम्बई, वाईजेक-चैनई, उड़ीसा, हैदराबाद - नागपुर, कोच्चि-कोइम्बटूर, देहली - नागपुर आदि सम्मिलित हैं। इनके अतिरिक्त एनआईसीडीपी परियोजना में कई नए औद्योगिक शहरों का, ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटीज के रूप में निर्माण किया जाएगा जिनमें उद्योग-धंधों के लिए 'प्लग एण्ड प्ले' और 'वॉक टू वर्क' जैसी सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। इनमें गुजरात के धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रिजन (डीएसआईआर), महाराष्ट्र में औरंगाबाद इंडस्ट्रियल टाउनशिप, ग्रेटर नोएडा में इंटिग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप और मध्य प्रदेश में इंटिग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप, विक्रम उद्योगपुरी आदि शामिल हैं।

केन्द्र और राज्य सरकारों के अतिरिक्त प्राइवेट सेक्टर के अन्तर्गत भी इन औद्योगिक केन्द्रों के विकास में बहुत काम सम्भव है, और हो रहा है जो इनके समन्वित रूप से इनके विकास और एंकर डद्योगों की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, वेदान्ता ग्रुप ने घोषणा की है कि वे दो इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित करेंगे, जिनमें एक एल्यूमिनियम और दूसरा जिंक और चांदी के लिए होगा, जो तीनों धातुएं देश के इलेक्ट्रॉनिक्स और रिन्यूवेबल एनर्जी के जरूरतों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं इस परियोजना के लिए जो 'नो प्रोफिट नो लॉस' पर आधारित होगी, राजस्थान और उडीसा में 1500 एकड़ में यह कल्स्टर स्थापित किए जाएंगे जिनसे एमएसएमईज और स्टार्ट-अप्स को डाउनस्ट्रीम की लिंकेज के आधार पर विकसित किया जायेगा । इनके अतिरिक्त अडानी ग्रुप ने भी इस संबंध में बहुत काम किया है।

औद्योगिक पार्कों के अतिरिक्त स्मार्ट सिटीज के द्वारा भी देश के समग्र और क्षेत्रीय विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान मिलने की आशा है इस सम्बन्ध में उद्योग मंत्री पियूष गोयल द्वारा जापान की विशाल कम्पनी टोयोटा द्वारा महाराष्ट्र के सांभाजीनगर में विकसित किये जा रहे एक महत्वपूर्ण औद्योगिक नगर का भी वर्णन किया गया था। वास्तव में आने वाले कुछ वर्षों में एनआईसीडीपी जैसी क्रान्तिकारी योजनाओं से देश के आर्थिक, औद्योगिक और क्षेत्रीय समन्वित विकास और रोजगार सृजन में तेजी से बढ़ावा देने में बहुत योगदान मिलेगा, जिनसे 2047 तक विकसित भारत के गंतव्य प्राप्ति में विशेष सहायता मिलेगी।

(साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।)

अब डोंगरवाड़ा का नाम होगा अखंड मंडलेश्वर धाम

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

ग्राम डोंगरवाड़ा में नव निर्मित जगन्नाथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान उड़ीसा के संत पद्मश्री बलिया बाबा उपस्थित रहे. बलिया बाबा ने उपस्थित जनता जनार्दन को आशीर्वाद दिया और कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की इस क्षेत्र पर बड़ी कृपा है, इसलिए यह क्षेत्र पवित्र हो गया है। उन्होंने डोंगरवाड़ा का नया नामकरण भी किया। भगवान के आने के बाद अब इस गांव का नाम अखंड मंडलेश्वर धाम डोंगरवाड़ा होगा।

भगवान जगन्नाथ की नर्मदा किनारे के इस क्षेत्र को बड़ी कृपा है : पद्मश्री बलिया बाबा

- विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने ठाकुर राजा को शास्त्र भेंट कर किया सम्मानित

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

अखंड मंडलेश्वरधाम डोंगरवाड़ा में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के समापन दिवस पर रविवार को विशाल भंडारे ओर दोपहर 2 बजे महाआरती का आयोजन किया गया।

अवगत हो कि ग्राम डोंगरवाड़ा में भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर का निर्माण ठाकुर राजा डॉक्टर आशुतोष शर्मा द्वारा कराया गया है। जिसमें प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन 26 नवंबर से 1 दिसंबर तक पूजा अर्चना एवं भंडारा आयोजित किया

गया है। इसी तारतम्य में आयोजित कार्यक्रम में शनिवार को पद्मश्री बलिया बाबा ने सभी को आशीष दिया और कहा कि भगवान जगन्नाथ की इस क्षेत्र पर बड़ी कृपा है। उन्होंने डोंगरवाड़ा का नया नामकरण किया। भगवान के आने के बाद अब इस गांव का नाम अखंड मंडलेश्वर धाम डोंगरवाड़ा होगा। कार्यक्रम में उपस्थित राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहा कि प्रभु माता नर्मदा के निर्देश से आए हैं। इसमें प्रसाद दास जी का विशेष योगदान है। विधायक डा सीतासरन शर्मा ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह क्षेत्र के उत्थान की आधारशिला सिद्ध होगा। कार्यक्रम को जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे ने भी संबोधित किया। विधायक विजयपाल सिंह भी भगवान के दर्शन के लिए पहुंचे। कार्यक्रम में अरविन्दाचार्य महाराज, जीपी खड्डर, भालचंद्र खड्डर, प्रकाशचंद्र उपाध्याय, पूर्व विधायक ठाकुर राजेंद्र सिंह, नपाध्यक्ष नीतू यादव, बुदनी नपाध्यक्ष सुनीता मालवीय, अर्जुन मालवीय, दिल्ली जगन्नाथ मंदिर के अध्यक्ष रविंद्र प्रधान, समिति के अध्यक्ष अजय रथ, सरपंच माखन कीर, प्रशांत हरने, ठाकुर राजा डा आशुतोष शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अर्चना पुरोहित सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। अतिथियों ने ठाकुर राजा को मुकुट और शस्त्र भेंट करके सम्मानित किया।

प्रतिवर्ष करीब 2400 सेवानिवृत होने वाले कर्मियों को मिलेगा लाभ

सीआईएसफ ने ई-सर्विस बुक पोर्टल लांच करने की घोषणा की

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

भारत सरकार की 'राष्ट्रीय डिजिटल इंडिया' पहल के हिस्से के रूप में सीआईएसएफ़ ने अपने ई-सर्विस बुक पोर्टल को लॉन्च करने की घोषणा की है जो सभी बल सदस्यों के लिए सुलभ होगी। इस नई पहल को अपने सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए पेंशन प्रक्रिया प्रणाली को सुव्यवस्थित और तीव्र करने के लिए बनाया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें सेवानिवृत्ति की तिथि पर ही सभी पेंशन लाभ मिल सके। अब तक सेवा पुस्तिका के भौतिक अंतरण के चलते सेवानिवृत्ति पर देय राशि के भुगतान में कई महीनों की देरी होती है। यह अपने सेवारत कर्मियों को भी उनकी सेवा पुस्तिका तक ऑनलाइन पहुंच प्रदान कर लाभान्वित करेगा और इसका अद्यतन सुनिश्चित करेगा। नया डिजिटल ढांचा सेवा पुस्तिका के भौतिक अंतरण की आवश्यकता को समाप्त करेगा। ई-सर्विस बुक की प्रमुख विशेषताओं में से एक इसकी त्वरित समय ट्रैक किए जा सकने की क्षमता है। हितधारक अब त्वरित समय में पेंशन फाइलों की

स्थिति देखकर, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर सकते हैं। यह निरंतर फॉलो - अप की आवश्यकता को समाप्त कर सभी संबंधित पक्षों को समय पर अद्यतन प्रदान करता है। इसका सीधा लाभ प्रतिवर्ष सेवानृवित्त होने वाले लगभग 2400 कर्मियों को मिलेगा। वर्तमान प्रणाली में सेवा पुस्तकों का कई कार्यालयों के मध्य भौतिक अंतरण होता है, जिससे परिणामस्वरूप अधिकतर विलंब और त्रुटियां होती है। यह दूर-दराज क्षेत्रों में स्थित इकाइयों के लिए अधिक समस्याजनक है, क्योंकि इस प्रक्रिया में समय की अधिकता और गलतियों की संभावना बन जाती है। इन समस्याओं को हल करने और समय पर पेंशन वितरण सुनिश्चित करने के लिए, इसे अंतिम रूप देने से पहले प्रमुख सीएए (गृह), गृह मंत्रालय और पीएओ/आरएपीओ से प्राप्त इनपुट को सम्मिलित करने के पश्चात एक ऑनलाइन पोर्टल डिजाइन करने की संकल्पना की गई थी। ई-सर्विस बुक का एक अन्य प्रमुख लाभ यह है कि यह एक सहभागी पटल के रूप में कार्य करता है। मूल इकाई, उच्चतर प्रशासनिक प्रतिष्ठानों और आरपीएओ/पीएओ सहित सभी हितधारक अब एक ही पटल पर निर्बाध रूप से सहभागिता कर सकते हैं। यह कुशल संचार, प्रश्नों के त्वरित समाधान और सेवा आंकड़ों के समय पर अद्यतन को बढ़ावा देता है। पेंशन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के अतिरिक्त, ई-सर्विस बुक सेवारत कर्मियों को उनकी सेवा पुस्तिकाओं तक ऑनलाइन पहुंच प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाती है। यह उन्हें अपने सेवा रिकॉर्ड की निगरानी करने, किसी भी विसंगतियों की पहचान करने और समय पर सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करने में समर्थ बनाता है। सेवा रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करके, ई-सर्विस बुक सेवारत कर्मियों को उनके करिअर की प्रगति और सेवानिवृत्ति लाभों की प्रभावी ढंग से योजना बनाने में सहायता करती है। इससे संगठन में पारदर्शिता बढ़ेगी। कुल मिलाकर, सीआईएसएफ की ई-सर्विस बुक पेंशन प्रक्रिया प्रणाली को आधुनिक बनाने और सीआईएसएफ कर्मियों के सेवा अनुभव को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। अधिक दक्ष, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवा प्रदान करके, सीआईएसएफ़ का लक्ष्य सेवा प्रदेयता में नए मानक स्थापित करना है।

पहले आदिवासी बाहुल्य संभागों व कुछ जिलों में शुरु होंगी सरकारी बसें: उदयप्रताप सिंह

इटारसी, दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार 19 साल बाद सरकारी बसें प्रारंभ करने जा रही है। शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कुछ जिलों में होंगी। प्रदेश के परिवहन व शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बताया कि शुरुआत आदिवासी बाहुल्य संभागों व कुछ जिलों से की जाएगी। इसके बाद अन्य स्थानों पर बसों का संचालन होगा। यह बात मंत्री श्री सिंह ने रतलाम जाते वक्त इटारसी में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के समय कही। उन्होंने कहा कि कहा कि हम सस्ती और टिकाऊ लोक परिवहन सेवा नए साल 2025 के पहले बहाल कर सकते हैं। मोहन यादव सरकार इस पर गंभीरता से कार्य कर रही है। एक पीपीपी मोड पर सेवाएं शुरू करने और दूसरा 100 फीसदी विभागीय नियंत्रण में सस्ती लोक परिवहन सेवा देने हेतु दृढ़ संकल्पित है। श्री सिंह ने कहा कि 50 प्रतिशत काम कर चुके हैं संभवत है जनवरी के पहले टिकाऊ लोक परिवहन सेवा को शुरू कर देंगे विभाग स्तर पर योजनाएं बनाई जा रही है जिसे मुख्यमंत्री मोहन यादव के सामने प्रस्तुत करेंगे। उनके मार्गदर्शन में आगे बढ़ेंगे।

रतलाम जाते समय इटारसी में कार्यकर्ताओं से मिले कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह

19 वर्ष पूर्व बंद हुई थी राज्य परिवहन की बसें

ज्यादातर बसें इलेक्ट्रिनिक होंगी– भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी राजा तिवारी ने बताया कि कार्यकर्ताओं से चर्चा के समय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि ज्यादातर बसें इलेक्ट्रिक होगी, जो जीपीएस सिस्टम आधारित होगी। इनमें यात्रियों को पारदर्शी किराया व्यवस्था के साथ निगरानी ऑनलाइन हो सके। सीसीटीवी के लौश आदर्श सुरक्षा होगी। आधुनिक कार्यशैली के साथ बस प्रारंभ होगी।

करेली से रतलाम जा रहे थे मंत्री– मध्य प्रदेश के परिवहन एवं शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह करेली से रतलाम जाते वक्त इटारसी में कार्यकर्ताओं के बीच कुछ समय के लिए रुके थे। जहां कार्यकर्ताओं ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता संदेश पुरोहित, जिला उपाध्यक्ष कल्पेश अग्रवाल, शैलेंद्र दीक्षित, मृगेंद्र मंडलोई, योगेंद्र सिंह राजपूत, नगर पालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, कुलदीप रावत, जोगिंदर सिंह, उमेश पटेल, राकेश जाधव, अभिनव शर्मा, मनजीत कलोसिया, मनोज पोपली, सौरभ राजपूत, यतीश बस्तरवार, शिवाकांत मालवी, जतिन बतरा, आशीष भदोरिया सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बंदरों के आतंक से परेशान रहवासी

इटारसी। शहर के आसपास के घने जंगलों से साल भर में कई बार वन प्राणी पलायन कर शहर की तरफ आ जाते हैं और फिर वह घनी आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचकर लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं। शहर में दोपहर के समय बंदरों का झुंड अचानक पहुंच गया और धमाचौकड़ी मचाने लगा जिससे भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। बंदरों के झुंड ने बाजार क्षेत्र में दुकानदारों को भी परेशान किया। वहीं मुख्य मार्ग से आने जाने वाले लोगों को भी परेशान किया। जिससे बाजार में आवश्यक कार्य से घूम रहे लोगों में भय का वातावरण बन गया। इससे पहले भी बंदरों के झुंड को रेलवे स्टेशन परिसर एवं शहर के अन्य स्थानों पर भी धमाचौकड़ी करते हुए देखा गया है। वन विभाग को बंदरों की धरपकड़ कराया जाना चाहिए ताकि शहरवासियों को बंदरों के आतंक से मुक्त कराया जा सके।

अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध कार्यवाही जारी,11 वाहन जप्त

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए 11 वाहन जप्त किये।

प्राप्त जानकारी अनुसार 25 नवम्बर को 01 ट्रेक्टर ट्राली, 27 नवम्बर को ग्राम डोंगरवाड़ा एवं बरण्डुआ से 03 ट्रेक्टर ट्राली, 28 नवम्बर को डम्पर क्रमांक-RJ 17 GB 0534, RJ 17 GC 8041 एवं RJ 17 GB 0603 एवं 01 ट्रेक्टर ट्राली, 29 नवम्बर को ग्राम सोनतलाई से 01 ट्रेक्टर एवं दिनांक 30 नवम्बर को रेत खनिज का ओवरलोड पाये जाने पर डम्पर क्रमांक-RJ 17 GB 1186 तथा MP04 ZQ 6299 को जप्त कर आर.टी.ओ. कार्यालय परिसर एवं थाना देहात की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

उक्त कार्यवाही में खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम, खनिज निरीक्षक पिंकी चौहान, खनिज सिपाही हेमन्त राज तथा होमगार्ड बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

मेट्रो एंकर ग्रामीणों ने की थी कलेक्टर और सीसीएफ से शिकायत

वन विभाग की भूमि से हटा अवैध कब्जा, झूठ बोलकर किया था खोट नामा

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले तवानगर के पास ग्राम चिचा का एक मामला सुर्खियों में उस समय सामने आया था जब ग्रामीणों द्वारा इस बात की शिकायत कलेक्टर और वन विभाग के आल्हा अधिकारियों से की थी।

ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में बताया था की मेला राम यादव निवासी झलाई जो कुछ दिनों पहले विस्थापित होकर बाहर से आया है उसने वन विभाग की जिस ज़मीन को जियालाल पिता बाबूलाल ने अपने कब्जे और अपने स्वामित्व की बता कर उस जमीन को स्टांप पेपर पर नोटरी करा कर मेला राम को सिकमी दे दी गई जिस पर मेला राम टप्पर बनाकर अपना भैंस का व्यवसाय करने लगा इन भैंसे से ग्रामीणों की फसलों को काफी नुकसान होने लगा। ग्रामीणों ने इस बात की शिकायत राज्यसभा सांसद से भी की थी उन्होंने तुरंत ही इस पर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए थे जिस पर वन विभाग के रेंजर महेंद्र गौर ने अवैध तरीके से बनाए गए वन भूमि की जगह पर टप्पर को शक्ति से हटाया गया। साथ ही गांव से सैकड़ो भैंसों को लेकर गांव आया मेंला राम की भी रवानगी गांव से कर दी गई।

खबर का असर

ग्रामीणों ने की कलेक्टर और सीसीएफ से शिकायत

वन विभाग की भूमि को अपनी जमीन बताकर स्टांप पर कर दिया खोट नामा

विधायक डॉ, शर्मा और नपा अध्यक्ष ने किया भूमिपूजन

व्यंक्टेश नगर में 67 लाख से बनेगा आधुनिक पार्क

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगरपालिका परिषद इटारसी अमृत 2.0 ग्रीन स्पेस डेव्लपमेंट योजना के तहत 67 लाख रुपये लागत से पुरानी इटारसी के वार्ड 33 व्यंक्टेश नगर में आधुनिक पार्क बनाने जा रही है। पार्क निर्माण का भूमिपूजन आज विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, स्थानीय पार्षद राजेश्री धूरिया, पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया, भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष बबीता चौहान ने किया। इस अवसर पर सीएमओ ऋतु मेहरा, नपा उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, उपयंत्री मीनाक्षी चौधरी, सभापति राकेश जाधव, मनजीत कलोसिया, उपयंत्री मयंक अरोरा, पार्षद कुंदन गौर, शुभम गौर, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर, पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार यादव, राजकुमार बाबरिया, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष राजू बकोरिया, भाजपा नगर मंडल महामंत्री राहुल चौरे, उपाध्यक्ष शैलेंद्र दुबे, दिनेश श्रीवास, सूर्यप्रकाश मिश्रा व अन्य मौजूद थे।

विधायक शर्मा ने कहा कि आपका आशीर्वाद हमें मिलता है इसलिए हमारा फर्ज बनता है कि हम आपका काम करें। बहुत साल पहले हमनें व पूर्व सांसद स्व सरताज सिंह ने पुलिया का भूमिपूजन कर बनवाई थी, पहले यहां आ भी नहीं पाते थे। इसके बाद हमनें रमेश धूरिया जी को टिकट दी वह जीत गए और इसके बाद यहां काम शुरु हुए।

शर्मा ने कहा कि एक नई बात, देखने को मिली। यहां अध्यक्ष ने नक्शा टांग दिया, कि लोगों को दिखे, की क्या करवा रहे हैं।डॉ शर्मा ने कहा कि मैं पहले टर्न में 10 साल विधायक था, लेकिन वह कांग्रेस के समय में था। भाजपा के शासन में पैसा बहुत आ रहा है काम करने के लिए।

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि बहुत दिनों से यहां पार्क के लिए मांग थी, लेकिन पिछले वर्ष यह घडी आई और अमृत योजना 2.0 आई, तब हमने विधायक डॉ शर्मा की मंशा से पुरानी इटारसी के दो क्षेत्र को चुना। इसके अलावा वार्ड 02 में भी एक पार्क अमृत 2.0 से बनेगा। नपाध्यक्ष ने कहा कि यह पार्क आप लोगों के अलावा आसपास के सभी नागरिकों के लिए बन रहा है। चौरे ने कहा कि ठेकेदार साहब से आग्रह है कि यह बडे प्रोजेक्ट का पार्क है। इसलिए अच्छी क्वालिटी से बनाए। उन्होंने जनता से भी कहा कि सामने नक्शा लगा है इसकी फोटो ले लें, जैसा हम अपना मकान बनवाते हैं उसी तरह पार्क बनवाएं। उन्होंने ठेकेदार से पूछा कि कब से काम शुरु कर रहे हैं, तो ठेकेदार ने कहा कि 10 दिन में काम शुरु करता हूं। तो चौरे ने कहा कि नहीं दो से तीन दिन में काम शुरु करें, उन्होंने कहा कि ये गिटटी और रेत क्यों डाली पिफर। कार्यक्रम में स्वागत भाषण नगरपालिका सीएमओ श्रीमती ऋतु मेहरा ने दिया व आभार पार्षद राजेश्री रमेश धूरिया ने जताया।

इस तरह बनेगा

वार्ड 33 में बन रहे पार्क में बाउंड्रीवाल, आकर्षक पेड, बेंच, आउटडोर जिम, चिन्ड्रन पार्क, पाथवे, जागिंग ट्रेक, टयूबवेल, टॉयलेट और पार्किंग, गार्ड रुम व अन्य चीजें होंगी।

यह की घोषणा

विधायक डॉ शर्मा ने कहा घोषणा की है कि उन्होंने दो सडकों के लिए 8 लाख रुपये अभी स्वीकृत किए हैं। पार्षद जी ने दो और सडक की डिमांड रखी हैं। उन्हें भी मार्च तक कर देंगे। उन्होंने नगरपालिका अध्यक्ष चौरे से कहा कि पार्क में जो टयूबवेल खनन होगा, उससे जनता को भी पानी दिया जाए।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने अमरावद में पीएम ग्राम सड़क व आवास का निरीक्षण किया

रायसेन, दोपहर मेट्रो

भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास विभाग मंत्री और क्षेत्रीय सांसद शिवराज सिंह चौहान द्वारा सांची विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अमरावद में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सांची (घाटला) रोड से अमराबद वाज्यापत ग्राम तक निर्मित 5.484 किलोमीटर लम्बी सड़क का निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान द्वारा ग्राम पंचायत ढकना चपना में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत हितग्राही श्री नन्द किशोर कुशवाह के पीएम आवास का भ्रमण किया। उन्होंने हितग्राही श्री नन्द किशोर कुशवाह व परिवार के सदस्यों से संवाद कर सरकार की योजनाओं का लाभ पाकर जीवन में आए बदलाव के बारे में जाना। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने ग्राम में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री अरविंद दुबे, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, समाजसेवी राकेश शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित रहे।

यूपी में हुई ऑल इंडिया हॉकी प्रतियोगिता में इटारसी ने बिहार को 4-1 से हराया

इटारसी, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता चरखारी उत्तर प्रदेश में हॉकी इटारसी ने बिहार की हॉकी टीम को 4-1 गोल से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। इटारसी टीम के गोल कीपर सन्नी सेन को मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला है। गौरतलब है कि हॉकी इटारसी ने अपने प्रथम मैच में कोटा राजस्थान को 4-1 से एवं अपने द्वितीय मैच में भोपाल को 4-1 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। टीम ने सेमीफाइनल में केनरा बैंक बंगलौर को पेनाल्टी स्ट्रोक में पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। आज हॉकी इटारसी टीम ने बिहार की टीम को फाइनल में 4-1 से पराजित कर अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता अपने नाम की। हॉकी इटारसी की इस जीत पर वरिष्ठ खिलाड़ी और मार्गदर्शक एससी लाल, डीएचए के जिलाध्यक्ष प्रशांत जैन, सचिव कन्हैया गुरयानी, कार्यकारी अध्यक्ष शिरीष कोठारी, रविन्द्र जोशी, जयराज सिंह भानू, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंह सैनी, उपाध्यक्ष डॉ. ताविश अरोरा, राहुल चौरे सहित वरिष्ठ खिलाड़ी अरुण रावर्ट, दीप सिंह ठाकुर, साजिद मलिक, आरिफ खान, मो. जाफर सिद्दीकी, मयंक जेम्स, अजय अल्वर्ट जोसेफ, हिमांशु बाबू अग्रवाल, नितिन राज आदि अनेक खिलाडियों ने टीम को बधाई प्रेषित की है।

राजवीर जम्मू कश्मीर में करेंगे मप्र फुटबाल टीम का नेतृत्व

इटारसी। नगर के फुटबाल खिलाड़ी राजवीर सोनिया 68 वी अंडर-17 राष्ट्रीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की फुटबाल टीम का नेतृत्व करेंगे। राजवीर की इस उपलब्धि पर उनकी टीम और साथी फुटबाल खिलाडियों ने उनको शुभकामनाएं दी हैं। 68 वी अंडर-17 राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता जम्मू-कश्मीर में 30 नवबर से 04 दिसंबर तक आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में न्यूयार्ड इटारसी के निवासी एवं कमला देवी स्कूल भोपाल के राजवीर सोनिया मध्यप्रदेश टीम में कप्तान के लिए चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर नव जाग्रति फुटबाल क्लब के सचिव आशीष डेविड, कोषाध्यक्ष महेश राजपूत, मैनेजर उदित राजपूत, मयूर चांदवे, राजवीर सोनिया के पिता बलराम सोनिया, जिला फुटबॉल संघ के सचिव दीपक परदेशी एवं क्लब के सभी खिलाड़ी साथियों ने उन्हें जम्मू कश्मीर प्रतियोगिता के लिए रवाना होने से पहले शुभकामनाएं दी

जिला उद्योग संघ की कार्यकारिणी हुई भंग 27 को होंगे चुनाव

नर्मदापुरम। जिला लघु उद्योग संघ की आवश्यक बैठक नर्मदा एग्रीकल्चर इंडस्ट्रीज परिसर में आहूत की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया है। साथ ही निर्णय लेते हुए कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी सदस्यों के पद को आज से शून्य घोषित कर दिया गया है। साथ ही सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है कि आगामी कार्यकारिणी के लिए एक माह का समय निर्धारित किया गया है। जिला लघु उद्योग संघ नर्मदापुरम की बैठक सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुई। चर्चा हैं कि वर्तमान कार्यकारिणी से सदस्यगण असंतुष्ट थे। जिसके चलते चुनाव कराने का निर्णय लिया।

आस भरोस क्लिनिक में हुआ निःशुल्क उपचार

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा ग्राम नंदरवाड़ा में रविवार को आस भरोस ई क्लीनिक उपाध्याय हाउस पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें नर्मदापुरम के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विशाल गुप्ता एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ कृति जोशी गुप्ता द्वारा लोगों को निशुल्क परामर्श एवं उपचार दिया गया।

शिविर में बड़ी संख्या में नंदरवाडा और आसपास के गांव के मरीजों ने उपचार का लाभ लिया इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी श्रीमती नीलकमल उपाध्याय, भाजपा महिला मोर्चा मंत्री एवं भारतीय सनातन संघ मातृशक्ति वाहिनी जिला उपाध्यक्ष श्री मती पूर्णिमा जोशी, धर्मराज जोशी, वरिष्ठ पत्रकार आदित्य नारायण उपाध्याय, आकाश द्विवेदी, अंसार अहमद, श्रीमती पूजा दुबे एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

एनएमवी कॉलेज एवं संजय नगर में हुआ विश्व एड्स दिवस जागरुक अभियान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रति वर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है, जिसके उपलक्ष्य में जिले में 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक साप्ताहिक एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज एनएमवी कॉलेज एवम संजय नगर नर्मदापुरम में प्रियांशी टीआई नर्मदापुरम द्वारा सही रास्ता अपनाए मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार के तहत पोस्टर बैनर प्रदर्शनी द्वारा व रेड रिबन लगाकर विश्व एड्स दिवस मनाया गया। जिसमें टीआई परियोजना प्रबंधक मीनाक्षी बाथरी

के द्वारा तख्तियों एवं नारो के साथ एचआईवी से डरना नही लड़ना है व 1097 टोल फ्री नम्बर द्वारा अन्य एचआईवी से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते है। बताया गया कि अभियान के माध्यम से आम नागरिकों को एच आई व्ही एड्स होने के चार कारण एवं उससे बचाव के तरीके बताए गए। एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों द्वारा एनएमवी कॉलेज में एचआईवी जागरूकता रैली निकाली गई गयी। इस अवसर पर प्रोफेसर अरुण राणा, राजेश गौर, अशोक सोनी, रोहित, साहिल, नेहा तिवारी, राजेंद्र कुशवाह, काउंसलर प्रकाश यादव, विवेक पटवा सर, राजेंद्र द्विवेदी व रक्षा शुक्ला व समस्त प्रियांशी टीआई स्टाफ उपस्थित रहे।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा । पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने थाना पथरिया में दर्ज अपराध के फरार आरोपी की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए दस हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है।

थाना पथरिया में दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 41/2016 का फरार आरोपी बंटी पारदी की सूचना अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए दस हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है। सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

अवैध गतिविधियां सहित शराब कारोबार से परेशान रहवासियों की शिकायत पर चला प्रशासन का बुलडोजर

नर्मदापुरम। धार्मिक नगरी नर्मदापुरम के कुछ रहवासी क्षेत्र में कथित लोगों के संरक्षण में अवैध गतिविधियां संचालित होने से कॉलोनीवासी निरंतर परेशान और प्रताड़ित हो रहे हैं। कॉलोनी का माहौल भी खराब हो रहा है। पुलिस प्रशासन सहित जनसुनवाई तक पहुंच रही शिकायत पर भी संज्ञान नहीं लिया जाना बड़े सवाल खड़े कर रहा है। नर्मदापुरम में अवैध शराब विक्रय से कई रहवासी क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और रहवासी परेशान और पीड़ित हैं। मोहल्ले की महिलाएं,आम नागरिक अवैध कारोबारी के रसूख के आगे डरे सहमे हैं। आखिर परेशान प्रताड़ित महिलाएं सहित वार्ड के रहवासियों ने क्षेत्र के विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा से गुहार लगाकर वस्तु स्थिति से अवगत कराया और कार्यवाही की मांग की। इसके बाद का विधायक डॉ शर्मा के निर्देश पर नगर पालिका सीएमओ द्वारा अतिक्रमण दस्ता प्रभारी सुनील राजपूत को पुलिस बल के साथ कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इसके बाद अतिक्रमण दस्ता प्रभारी सुनील राजपूत द्वारा पुलिस बल के साथ रसूलिया में आशुतोष नगर में अवैध रूप से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर अवैधानिक गतिविधियां संचालित होने वाली टपरियों को जेसीबी से जमीदोज किया गया।

मेट्रो एंकर सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न.

सभी विकास खंडों से 150 प्रतिभागी टीचर्स को किया प्रशिक्षित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने के लिए हाई स्कूल सामाजिक विज्ञान शिक्षकों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के तत्वाधान में शासकीय एस एन जी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विगत दिवस आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अर्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी करवाना है वन लाइनर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की तैयारी, खरीफ रबी की फसलों, संसाधन क्या हैं, मानचित्र में विभिन्न स्थानों को दर्शना, पर्यावरण इतिहास इत्यादि की जानकारी तथा प्रश्नपत्र हल करने में आने वाली समस्याओं को बच्चों

को आसान एवम् सरल विधियों से सिखाने हेतु प्रशिक्षित करने के साथ-साथ शिक्षकों का उन्मुखीकरण करना था। प्रशिक्षण में नर्मदापुरम जिले के सभी विकास खण्डों से कुल 150 प्रतिभागी शिक्षक- शिक्षिकाएं शामिल हुए। यह प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर श्रीमति करुणा गुप्ता एवं मधू हुरमाडे द्वारा विभिन्न सत्रों में दिया गया। प्रशिक्षण में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक राजेश गुप्ता, जिला आई टी सेल समन्वयक सुनील सायलवार शामिल हुए।

यूएस ओपन टेनिस : महिला एकल चैंपियन उलटफेर का शिकार कोको गॉफ चौथे दौर में हारकर हुई बाहर

न्यूयार्क. एजेंसी

घरेलू सरजमीं पर लगातार दूसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना देख रही अमरीका की 20 वर्षीय खिलाड़ी कोको गॉफ भी उलटफेर का शिकार होकर बाहर हो गईं। इस तरह से पुरुष एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद महिला एकल चैंपियन की चुनौती भी खत्म हो गई। नवारो ने कोको गॉफ को इस साल विम्बलडन के भी अंतिम-16 मुकाबले में हराया था। वह 2004 में सेरेना विलियम्स के बाद एक सीजन में यूएस ओपन और विम्बलडन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली अमरीकी खिलाड़ी बनीं। अब अंतिम आठ में नवारो का मुकाबला 26वीं वरीय स्पेनिश खिलाड़ी पाउला बाडोसा से होगा, जिन्होंने चीन की वेंग याफेन को शिकस्त दी।

इधर, नियमों का उल्लंघन, रात 2.15 बजे खत्म हुआ मुकाबला

देर रात तक चलने वाले मैचों पर रोक लगाने के लिए एटीपी और डब्ल्यूटीए ने इस साल जनवरी में एक नियम बनाया था। इसके तहत, कोई भी मैच रात 11 बजे के बाद शुरू नहीं हो सकता लेकिन इस साल खेले गए सभी चारों ग्रैंड स्लेम के दौरान नियम तोड़े गए और देर रात तक मैचों का आयोजन हुआ। चीन की सातवीं वरीय क्विनवेन झेंग और क्रोएशिया की डोना वेकिक के बीच महिला एकल का अंतिम-16 मैच रात 2.15 बजे खत्म हुआ। यह देर रात सबसे ज्यादा समय तक चलने वाला मैच बना। इससे पहले, यह रेकॉर्ड रात 2.13 बजे था, जो 2021 में मारिया साकारी और बियांका के बीच अंतिम-16 मैच में बना था।

अब सबालेंका से मैच: चीन की खिलाड़ी झेंग ने 7-6, 4-6, 6-2 से वेकिक को हराया और दूसरी बार क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। झेंग का सामना अब नंबर दो वरीय खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा।

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप: गुकेश व लिरेन का छठा मैच बराबर रहा

फाइनल में लगातार तीसरा मुकाबला ड्रॉ, फाइनल स्कोर 3-3 से बराबर

सिंगापुर. एजेंसी

भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश और विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के बीच सिंगापुर में खेले जा रही स्न्द्धष्ठश्च वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल का छठा मुकाबला बराबरी पर रहा। दोनों ने लगातार तीसरा ड्रॉ मैच खेला है। इससे पहले चौथा, पांचवां मैच भी बराबरी पर छूटा था। 14 मैचों के फाइनल में अब तक चार मैच ड्रॉ हो चुके हैं। ड्रॉ मैच के बाद दोनों प्लेयर्स के पास 3-3 अंक हैं। उन्हें चैंपियनशिप जीतने के लिए और 4.5 अंक चाहिए। पहले 7.5 अंक तक पहुंचाने वाला इसे जीत लेगा और वर्ल्ड चैंपियन का टाइटल हासिल कर लेगा। 18 साल के गुकेश ने 46 चालों के बाद लिरेन को ड्रॉ के लिए मजबूर किया। 32 साल के लिरेन ने पहली बाजी अपने नाम की थी, जबकि गुकेश तीसरी बाजी को जीतने में सफल रहे थे। फाइनल स्कोर 3-3 की बराबरी पर इस ड्रॉ के बाद गुकेश और लिरेन के बीच का फाइनल स्कोर 3-3 की बराबरी पर है। इस मुकाबले से दोनों खिलाड़ियों को 0.5-0.5 अंक मिले। बता दें चेस में एक मैच जीतने पर एक अंक मिलते हैं, जबकि ड्रॉ मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों को 0.5-0.5 अंक दिए जाते हैं। अब तक दोनों प्लेयर्स एक-एक मुकाबले ही जीत सके हैं। पहले 7.5 अंक हासिल करने वाला चैंपियन बनेगा वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल में गुकेश और लिरेन के बीच 14 गेम खेले जाएंगे। यह 12 दिसंबर तक चलेगा। फाइनल स्कोर बराबर रहने पर ट्राईब्रेकर मुकाबला खेला जाएगा, जो 13 दिसंबर को होगा। वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के

इतिहास में पहली बार ऐसा है कि दो एशियाई खिलाड़ी वर्ल्ड चैंपियन बनने के लिए एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं। कौन हैं डी गुकेश डी गुकेश का पूरा नाम डोमाराजू गुकेश है और वे चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था। उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल स्तर के चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलोजिस्ट हैं।

अंडर-19 एशिया कप : भारत और जापाना के बीच मुकाबला

अर्धशतक जड़ने के बाद आयुष रनआउट भारत का स्कोर 100 रन के पार

जबलपुर. एजेंसी

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम और जापाना की टीम के बीच आज यानी 2 दिसंबर को 19 ह्यद्बद्ध ष्द्धद्मश्च का मुकाबला खेला जा रहा है है। भारत को अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ इससे पहले 43 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, जापान की टीम को भी अपने पहले मैच में यूएई से 273 रन से करारी हार झेलनी पड़ी थी। इस मैच में जापान की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। भारत को अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ इससे पहले 43 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, जापान की टीम को भी अपने पहले मैच में यूएई से 273 रन से करारी हार झेलनी पड़ी थी।

अब टीम इंडिया जापान के खिलाफ मैच में जीत हासिल करना चाहेगी। भारतीय टीम की कप्तानी मोहम्मद अमान, जबकि जापान की टीम की कमान कोजी अबे के पास हैं। 2 विकेट गिरने के बाद भारतीय टीम की पारी को आंद्रे-मोहम्मद ने संभाला। दोनों के बीच 50 रन से ज्यादा की साझेदारी बन चुकी है। 22 ओवर के खेल तक भारत का स्कोर 139/2 रहा। भारत की अंडर-19 टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंच चुका है। 16 ओवर के बाद भारतीय टीम का स्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 107 रन रहा। भारतीय टीम का दूसरा विकेट 80 रन के स्कोर पर गिरा। आयुष जो शानदार फॉर्म में थे वह 54 रन बनाकर रन आउट हुए। 65 रन के स्कोर पर भारत की अंडर-19 टीम ने पहला विकेट खो दिया है। वैभव सूर्यवंशी 23 रन बनाकर चलते बने। आयुष ने जिस तरह से भारत की अंडर-19 टीम को शुरुआत दिलाई है,

उससे ये लग रहा है कि अगर टीम इसी मोमेंटम को बरकरार रखती है तो जापान के खिलाफ उसकी जीत पक्की है। अभी खेल में 6 ओवर तक भारत की अंडर-19 टीम ने बिना किसी विकेट के नुकसान के 54 रन बना लिए हैं। भारतीय अंडर-19 टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंच चुका है। आयुष तूफानी बैटिंग कर रहे हैं और उनका साथ वैभव दे रहे हैं। टीम की पारी शुरू हो गई है। जापान के खिलाफ भारतीय अंडर-19 टीम की तरफ से वैभव सूर्यवंशी और आयुष की जोड़ी क्रीज पर है। 4 ओवर के खेल तक भारतीय अंडर-19 टीम का स्कोर बिना किसी विकेट के नुकसान के 42 रन हो गया है। जापान अंडर-19 क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम के खिलाफ टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। अब भारत की तरफ से पारी का आगाज आयुश और वैभव की जोड़ी करने मैदान पर उतरेगी। भारत को अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट में अपने पहले मैच में 43 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, जापान की टीम को भी अपने पहले मैच में यूएई से 273 रन से करारी हार मिली थी।

मेट्रो बाजार

मंजूरी: 2025 में भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप आएगी

नईदिल्ली. एजेंसी

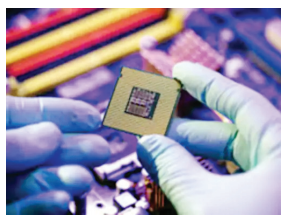

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 2025 के मध्य तक भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप आएगी। अश्विनी वैष्णव ने यह बात कैबिनेट मीटिंग के बाद को ब्रीफिंग में कही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर कायन्स इंडस्ट्रीज के हर दिन 63 लाख चिप्स बनाने की कैपेसिटी वाला सेमीकंडक्टर पैकेजिंग प्लांट बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कायन्स इस प्लांट के लिए 3,300 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। 2,817 करोड़ की लगात से डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन शुरू होगा। इसके अलावा अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2,817 करोड़ रुपए की लागत से

सरकार डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन शुरू करने का फैसला किया है। इस योजना के लागू होने से किसानों को आसानी से लोन मिलेगा। एक क्लिक पर उनको फसलों की जानकारी मिलेगी। वहीं 3,979 करोड़ रुपए की लागत वाली क्रॉप साइंस स्कीम और 1,702 करोड़ रुपए की पशुधन हेल्थ स्कीम को भी मंजूरी मिल गई है। कैबिनेट की तरफ से नेचुरल फार्मिंग के लिए नेशनल मिशन को भी मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा कैबिनेट ने मुंबई से इंदौर रेलवे लाइन बिछाने का भी ऐलान किया है। मुंबई-इंदौर रेल कनेक्टिविटी के लिए 18,000 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। कायन्स इंडस्ट्रीज का प्लांट गुजरात के साणंद में 46 एकर्स में बनाया जाएगा। जहां 76,000 करोड़ रुपए के इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत दो अन्य चिप मेकिंग प्रपोजल को भी मंजूरी दी गई है।

अब भारत में ही बनाए जाएंगे हेलिकॉप्टर के इंजन

एचएएल और फ्रांसीसी कंपनी में करार

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत ने मेक इन इंडिया के तहत रक्षा उत्पादन में बड़ी छलांग लगाई है। देश में हेलिकॉप्टर के इंजन बनाने का रास्ता साफ हो गया है। सशस्त्र बलों के लिए स्वदेशी मल्टी-रोल हेलिकॉप्टरों व डेक-आधारित मल्टी-रोल हेलिकॉप्टरों के लिए भारत में ही इंजन बनाए जाएंगे। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. और फ्रांस की कंपनी सेफ्रान के बीच करार हुआ है। इसके तहत बनने वाले इंजन का नाम अरावली' रखा गया है। हेलिकॉप्टर इंजन डिजाइन व उत्पादन के लिए बेंगलूरु में संयुक्त उद्यम कंपनी सफल हेलिकॉप्टर इंजन प्राइवेट लिमिटेड' स्थापित की गई है।

उधार पर जिंदगी... क्रेडिट कार्ड से रेकॉर्ड 1.7 लाख करोड़ खर्च

मुंबई. एजेंसी

क्रेडिट कार्ड से खर्च के मामले में भारतीय लोगों ने नया रेकॉर्ड बनाया है। जुलाई में लोगों ने क्रेडिट कार्ड से 1.7 लाख करोड़ रुपए खर्च किए। एसबीआइ सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल जुलाई में क्रेडिट कार्ड से

खर्च की रकम पिछले साल की जुलाई से 19 फीसदी ज्यादा है। यह वृद्धि ट्रांजेक्शन के लिए क्रेडिट कार्ड पर बढ़ती निर्भरता को बताती है। लोगों ने जुलाई में क्रेडिट कार्ड से कुल 38.4 करोड़ ट्रांजेक्शन किए। यह संख्या भी पिछले साल की समान अवधि से 39 फीसदी ज्यादा है। ट्रांजैक्शन और खर्च के मामले में एचडीएफसी बैंक सबसे आगे रहा। एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से सबसे अधिक 9.9 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, जिसमें कुल 44,369 करोड़ रुपए खर्च हुए।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

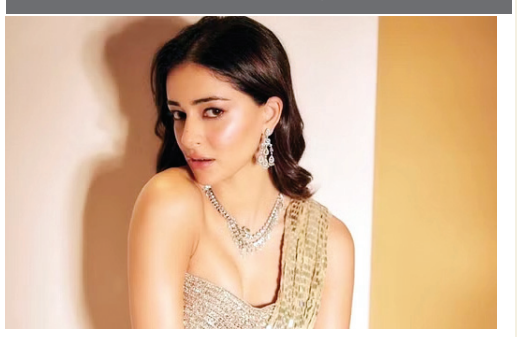

'लाइगर' की स्क्रिप्ट में कुछ चीजों से थी अनन्या को आपत्ति, बदलाव के लिए उठाई थी आवाज

अनन्या पांडे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक पहचान बनाने में जुटी हुई हैं। उन्होंने साल 2019 में करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। अपने पांच साल के करियर में उन्होंने कुछ ही फिल्में की हैं। आखिरी बार उन्हें साल 2023 में रिलीज हुई खो गए हम कहां में देखा गया था। इस वक्त अभिनेत्री अपनी आगामी सीरीज कॉल मी बे के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। इस बीच उन्होंने अपनी पिछली फिल्मों में से एक लाइगर को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट में कुछ आपत्तिजनक लगा, जिसमें उन्होंने निर्माताओं से बात कर बदलाव भी कराया। अनन्या पांडे ने बताया कि कैसे नई पीढ़ी के कलाकार के रूप में, अभिनेत्री ने विजय देवरकोंडा अभिनीत लाइगर की स्क्रिप्ट पढ़ते समय उसकी कुछ आपत्तिजनक चीजों की ओर ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने कहा कि एक महिला के रूप में कुछ चीजों का ध्यान रखना और उनको संबोधित करना उनकी जिम्मेदारी है। अनन्या ने कहा, लाइगर में, उस स्क्रिप्ट में बहुत सी चीजें ऐसी थीं, जहां मैं ऐसा महसूस करती थी कि ये सब कहने के लिए मैं ठीक नहीं हूं। एक महिला के रूप में यह सही नहीं है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माताओं ने वो सारे बदलाव किए भी, जिससे वह काफी खुशी महसूस करती हैं कि उन्होंने तब इसे लेकर अपनी राय जाहिर की थी। अभिनेत्री ने आगे कहा की उनका मानना है एक महिला के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी है कि वह स्क्रिप्ट में अनुचित चीजों को संबोधित करें और उनके खिलाफ बोलें। अभिनेत्री ने एक युवा और नई पीढ़ी की महिला कलाकार के रूप में सही चीजों के लिए खड़े होने को लेकर भी बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारे देश में महिलाओं की सुरक्षा पर चर्चा करना कितना महत्वपूर्ण है। इस वजह से वह मानती हैं कि बतौर कलाकार फिल्मों की स्क्रिप्ट में भी कुछ आपत्तिजनक लगे, तो उसे लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई जानी चाहिए। बताते चलें कि अनन्या पांडे ने साल 2022 में फिल्म लाइगर के साथ अपना तेलुगु डेब्यू किया। इस फिल्म में वह साउथ के मशहूर अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आई थीं।

आदित्य ने तोड़ा तो वॉकर ब्लैंको से जोड़ा दिल? अनन्या पांडे की लेटेस्ट पोस्ट ने की डेट की पुष्टि

बॉलीवुड अभिनेत्री और चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे के कथित बॉयफ्रेंड वॉकर ब्लैंको ने उनके सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने की सराहना की, जिसके बाद अनन्या के वॉकर को किए कमेंट ने सभी को सरप्राइज कर दिया और साथ ही उनकी डेट की अफवाहों को हवा दी है। अनन्या पांडे ने आखिरकार पुष्टि कर ही दी है कि वह वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं? क्योंकि अनन्या ने वॉकर की बेस्ट एक्ट्रेस के पुरस्कार के कमेंट पर अपने शानदार रिप्लाई से सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। अनन्या पांडे ने हाल ही में खो गए हम कहां के लिए बेस्ट एक्ट्रेस क्रिटिक्स चॉइस कैटेगरी में फिल्मफेयर पुरस्कार जीता है। वॉकर ब्लैंको ने अनन्या की जीत की सराहना की और एक प्यारा कमेंट किया, जिसके बाद अनन्या के रिप्लाई ने प्रशंसकों के बीच हलचल मचा दी है। वॉकर ब्लैंको ने अनन्या की पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लाल दिल वाली इमोजी के साथ क्लैप वाली इमेजी शेयर किया। अनन्या ने स्टोरी को फिर से शेयर किया और ब्लशिंग इमोजी के साथ वॉकी लिखा। हालांकि पिछले कुछ समय से अनन्या और वॉकर को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन अब इन अफवाहों में कितनी सच्चाई है यह अनन्या और वॉकर ही बेहतर जानते हैं। इससे पहले वॉकर ने अनन्या के साथ डेटिंग के संकेत दिए थे। अनन्या के जन्मदिन पर वॉकर ने इंस्टाग्राम पर अनन्या की बेहद ही खूबसूरत तस्वीर के साथ एक प्यारी पोस्ट साझा की। अनन्या की मुस्कुराती हुई तस्वीर के साथ, वॉकर ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो सुंदर। तुम बहुत खास हो। मैं तुमसे प्यार करता हूं एनी! इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वॉकर ब्लैंको शिकागो के एक पूर्व मॉडल हैं। उन्होंने वेस्टमिंस्टर क्रिश्चियन स्कूल में पढ़ाई की है। वॉकर वर्तमान में गुजरात के जामनगर में एक पशु आश्रय स्थल वंतारा में काम करते हैं, जिसके मालिक अनंत अंबानी हैं। अगर उनके इंस्टाग्राम को देखें तो वॉकर एक बड़े पशु प्रेमी हैं। वह अक्सर विदेशी जानवरों की तस्वीरें शेयर करते हैं और वन्यजीवों के प्रति अपने प्यार को प्रदर्शित करते हैं।

कथित बॉयफ्रेंड के साथ पोज देने से कतराती दिखीं सुष्मिता

इन दिनों सुष्मिता सेन फिल्मों में अभिनय के लिए कम लेकिन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कुछ ज्यादा ही चर्चा में बनी हुई हैं। बीते सोमवार मुंबई रात शहर में सुष्मिता सेन को उनके कथित बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के साथ देखा गया। उनकी एक साथ मौजूदगी ने उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों को और हवा दे दी है। दोनों कार से निकले और रोहमन तुरंत ही घर के अंदर चले गए, जबकि पैपराजी के कहने पर सुष्मिता ने पोज दिए। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि रोहमन शॉल सुष्मिता का हैंडबैग लेकर कार से बाहर आते हैं और कैमरे की तरफ देखे बगैर ही सीधे बिल्डिंग के अंदर चलते हैं। फिर कुछ मिनटों के अंदर सुष्मिता कार से बाहर आईं और उन्होंने कैमरे के लिए पोज दिया। जब पैप्स ने उनसे रोहमन के साथ पोज देने का अनुरोध किया, तो अभिनेत्री ने कहा, थोड़ी जल्दी में हूं। अब दोनों का यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। एक पॉडकास्ट के दौरान सुष्मिता सेन ने किसी के साथ डेटिंग करने की अफवाहों से साफ इनकार कर दिया था। अभिनेत्री के अपने पूर्व प्रेमी रोहमन शॉल के साथ डेटिंग करने की अफवाह है। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में सुष्मिता ने खुलासा किया कि वह पिछले दो सालों से सिंगल हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन वह फिलहाल किसी के साथ डेटिंग नहीं कर रही हैं। मेरे जीवन में कोई पुरुष नहीं है। मैं कुछ समय से सिंगल हूं। लगभग दो साल हो गए हैं जब से मैं सिंगल हूं, शायद 2021 से मैं किसी रिलेशनशिप में नहीं हूं। मेरे जीवन में कुछ अविश्वसनीय रूप से अद्भुत लोग हैं जो मेरे दोस्त हैं और वे सभी बस उस पल का इंतजार कर रहे हैं जब मैं उन्हें कॉल करूं और कहूं, देखो, मैं कार निकाल रही हूं, पीछे की सीट पर बैठ जाओ। हम गोवा जा रहे हैं। सुष्मिता सेन को आखिरी बार राम माधवानी और संदीप मोदी की एक्शन थ्रिलर सीरीज 'आर्या' की तीसरी किस्त में देखा गया था।

शादी के टाई साल बाद ही नव विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

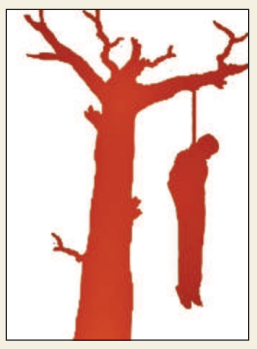

भोपाल। पत्नी से कहा गाने चला दो और कमरे में लगा ली युवक ने फांसी ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी हज्जाम ने नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश शनिवार शाम कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला का शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। रविवार को शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। नव विवाहिता के मायके पक्ष ने पति समेत ससुराल पक्ष पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसडीओपी को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार अंगूरी बाई पति जितेंद्र अहिरवार (25) मूलत- गांव टोरनिया, दौराहा, जिला सीहोर की रहने वाली थी। करीब ढाई साल पहले उसकी शादी बरखेड़ी हज्जाम निवासी जितेंद्र अहिरवार से हुई थी। जितेंद्र खेती किसानी करता है। जितेंद्र का बड़ा भाई बबलू अहिरवार गांव का चौकीदार है। उसने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम वह और भाई बाहर थे। घर पर मां और बहू अंगूरी बाई अकेली थी। मां अपने कामकाज कर रही थी, तभी शाम करीब चार बजे के आसपास अंगूरी बाई ने अंदर कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही मां ने बबलू और जितेंद्र को घटना की जानकारी दी थी। वे घर पहुंचते तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

युवक ने लगाई फांसी

भोपाल। भोपाल। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में एक युवक ने शनिवार शाम फांसी लगा ली। फांसी लगाने से पूर्व उसने पत्नी से कहा था कि उसे गाने सुनना है। पत्नी ने गाने लगाए और किचन में खाना बनाने चली गई। इस दौरान युवक ने कमरे में फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार लालू उर्फ नारायण यादव (36) जगदीशपुर में रहता था और प्राइवेट काम करता था। शनिवार शाम वह घर पर था। उसने पत्नी से कहा कि मुझे गाने सुनना है। पत्नी ने गाने लगा दिए और किचन में जाकर खाना बनाने लगी। लालू अपने कमरे में था और उसने फांसी लगा ली। कुछ देर बाद उसकी बेटी की नजर पड़ी तो उसने पिता को फांसी के फंदे पर लटका देख शोर किया था। मां और पड़ोस में रहने वाले जेठ पहुंचे और उसे फंदे से उतारा गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि वह शराब पीने का आदी था। शराब के नशे में वह अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता था। डायल 100 पर पूर्व में भी उसकी शिकायत मिल चुकी थी। हरबार पुलिस समझाकर लौट आती थी। एएसआई राजकुमार उईके ने बताया कि लालू को जब भी समझाया जाता था कि शराब न पीए और ठीक से रहे तो वह कहता था कि मुझे मरना है। वह एक बार पहले भी कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास कर चुका था।

मोटर का ताला लगाते समय करंट से झुलसा किसान, मौत

भोपाल। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के खजूरी गांव में किसान की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा खेत में पानी फेरने से पूर्व मोटर के तार लगाते समय हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार गांव खजूरी निवासी गणेश शर्मा पिता हरिनारायण शर्मा (45) खेती किसानी करते थे। रविवार सुबह वह खेत पर पानी फेरने पहुंचे। इस दौरान मोटर का तार जोड़ते समय उन्हें करंट लग गया। करंट लगने से वह खेत में ही गिर गए थे। सुबह करीब 11 बजे परिजन खेत पर पहुंचे तो उन्हें बेसुध पड़ा देखा था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर मृत घोषित कर दिया।

गैस त्रासदी की बरसी पर कार्यक्रम कल

भोपाल। गैस त्रासदी की चालीसवीं बरसी पर कल बरकतउल्ला भवन में सर्वधर्म प्रार्थना सभा होगी। इस कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल समेत राज्य सरकार के मंत्री मौजूद रहेंगे। इस प्रार्थना सभा का संचालन जलसंसाधन विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता संतोष तिवारी करेंगे, वे बीते 38 वर्ष से इस कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं। साहित्यिक अभिरूचि वाले तिवारी का पुस्तक 'छोटे मुंह बडी बात' हाल में प्रकाशित हुई है।

शूटिंग अकादमी में नाबालिग ने खुद को मारी गोली

गन लोड कर पैर से दबाया ट्रिगर, चेस्ट पर हुआ फायर, शूटिंग स्टूडेंट की मौत

आज पीएम के बाद परिजन को सौंपा गया शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में सेकंड ईयर के स्टुडेंट ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शूटिंग अकादमी में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में सुसाइड का घटनाक्रम कैद हुआ है। स्टुडेंट ने गन से ट्रिगर पर पैर रखकर चेस्ट को गन पाइंट पर लिया था और पैर से ट्रिगर दबा दिया। घटनास्थल का निरीक्षण करने और स्टुडेंट की तलाशी में सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है। पुलिस का कहना है?कि स्टूडेंट के रूम पार्टनर और साथ शूटिंग की ट्रेनिंग ले रहे दोस्तों से पूछताछ की जाएगी। घटना की जानकारी परिजन को दे दी गई?थी। वे देर रात भोपाल पहुंच गए। आज सोमवार को स्टुडेंट का शव पीएम के बाद परिजन को सौंपा गया। डीसीपी जोन वन प्रियंका शुक्ला ने बताया कि यर्थाथ रघुवंशी पिता अरुण रघुवंशी (17) मूलत- अशोक नगर का रहने वाला था। दो साल से वह मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में शूटिंग की ट्रेनिंग ले रहा था। रविवार शाम करीब पांच बजे उसने अकादमी खुद को शूट कर लिया। फायर होने की आवाज सुनकर वहां मौजूद कर्मचारी पहुंचे तो यर्थाथ खून से लतपथ पड़ा था।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना यर्थाथ की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही रातीबड़ पुलिस और जोन के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शूटिंग अकादमी में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो पता चला कि उसने बाहर बोर की बंदूक को लोड कर गन पाइंट पर चेस्ट को रखा था। इसके बाद पैर से ट्रिगर दबाकर फायर कर लिया। इससे गोली उसके सीने को चीरती हुई निकल गई। सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पुलिस इसे आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। हालांकि यर्थात ने आत्महत्या क्यों कि इसका खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है?कि । यर्थाथ के पिता अरुण रघुवंशी खेल विभाग में अधिकारी बताए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि परिजन के बयान दर्ज किए जाएंगे।

कार की टक्कर से घायल बाइक सवार महिला की मौत

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित बाईपास पर सागर लैंडमार्क के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार महिला को टक्कर मार दी। गुरुवार दोपहर हुए हादसे में बाइक पर बैठी महिला को सिर में गंभीर चोट आई थी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान रविवार सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक पर मामला दर्ज कर लिया है। नंबर के आधार पर कार चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार विनिता बाई पति देवीसिंह लोधी (35) नरेला संकरी, अयोध्या नगर में रहती थी। वह गृहणी थी। गत 28 नवंबर, गुरुवार दोपहर विनिता बाई अपने भतीजे के साथ बाइक से घर लौट रही थी। सागर लैंडमार्क के पास पहुंचते ही उनकी बाइक को पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में विनिता बाई को सिर में गंभीर चोट थी। उनका भतीजा उन्हें हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा था। वहां उनका इलाज चल रहा था। रविवार दोपहर करीब 12 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

चोरी की स्कूटर के साथ 3 आरोपी हुए गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना पुलिस ने चोरी की स्कूटर के साथ तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से वाहन चोरी की अन्य घटनाओं को लेकर पूछताछ की जा रही है। बदमाशों ने एक दिन पहले ही स्कूटर चोरी की थी और उसे बेचने का फिराक में घूम रहे थे। थाना प्रभारी बिजेंद्र निगम ने बताया कि सावन पोरवाल स्प्रिंगवैली ड्यू कालोनी कटारा हिल्स में रहते हैं। शनिवार को वह काम से घर लौटे तो पत्नी ने बताया कि नीचे पार्किंग में खड़ी स्कूटर नजर नहीं आ रही है। उन्होंने आसपास के इलाके में तलाश किया, लेकिन स्कूटर का कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद थाने पहुंचकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई।

इसी तरह मुखबिर से सूचना मिली कि एक दिन पहले चोरी हुई स्कूटर को लेकर एक युवक दीनदयाल पार्क के पीछे मंदिर के पास खड़ा है और उसे सस्ते में बेचने की बात कर रहा ह। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने संदेही युवक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम निखिल चक्रवर्ती बताया।

पुलिस ने गाड़ी के कागजात मांगे तो वह अलग अलग कहानियां बनाने लगा। सख्ती बरतने पर एक

एक दिन पहले चोरी की थी स्कूटर

दिन पहले ही दो लोगों के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार कर लिया। उसके बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से स्कूटर जब्त कर ली। गिरफ्तार आरोपी का नाम निखिल चक्रवर्ती (18) निवासी जूयिनर स्प्रिंगवैली और उसके साथियों के नाम परमीत सिंह (28) निवासी ग्राम कान्हासैया थाना बिलखिरिया और हरिनारायण राठौर (42) निवासी श्याम नगर बरखेड़ा पठानी थाना गोविंदपुरा बताया।

तीनों आरोपियों से इलाके में हुई वाहन चोरी की अन्य घटनाओं को लेकर पूछताछ की जा रही है। पांच अन्य स्थानों से दोपहिया वाहन चोरी इधर पांच अन्य स्थानों से बदमाश दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए. पुलिस के मुताबिक ओल्ड सुभाष नगर ऐशबाग से दीपक पांडे, हबीबगंज स्थित बिट्टन मार्केट होटल के सामने से प्राची सिंघल, गुलमोहर कालोनी शाहपुरा से आकाश जैन, एमपी नगर जोन एक स्थित गर्ल्स होस्टल के सामने से सुभाष कुमार और बागसेवनिया स्थित एम्स अस्पताल की पार्किंग से रोहित यादव की मोटर सायकिल चोरी चली गई. पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पति से कहासुनी के बाद पत्नी ने पीया टॉयलेट क्लीनर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित हर सिद्धि नगर, ओमकारा सेवनियां में एक महिला ने टायलेट क्लीनर पी लिया। टायलेट क्लीनर पीने से उसकी हालत बिगड़ने लगी। पति उसे लेकर लांबाखेड़ा स्थित निजी अस्पताल पहुंचा, वहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार रीता साहू पति बबलू साहू (32) पाल ढाबा के पास सिद्ध नगर, ओमकारा सेवनियां में रहती थी। उसकी शादी 2012 में बबलू साहू से हुई थी। बबलू प्राइवेट काम करता है और घर में किराना दुकान है। बबलू और रीता का 11 साल का बेटा और दो छोटी बेटियां है। शनिवार सुबह परिवार घर में था। इसी दौरान किसी बात को लेकर रीता और बबलू की कहासुनी हो गई। कहासुनी बढ़ने के बाद रीता ने घर में रख में रखा टायलेट क्लीनर पी लिया। उल्टियां करने पर पति उसे लांबाखेड़ा स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां इलाज के दौरान रविवार दोपहर उसकी मौत हो गई। पुलिस उसके बयान दर्ज करने अस्पताल पहुंची थी, लेकिन वह बयान देने की स्थिति में नहीं थी। रीता के मायके पक्ष से पहुंचे परिजन ने पुलिस को बताया कि उसे गुस्सा बहुत आता था। मायके पक्ष ने किसी तरह के आरोप नहीं लगाए हैं।

मेट्रो एंकर जमातों के लौटने का सिलसिला सुरू हुंआ

दुआ की नमाज, इज्तिमा स्थल की तरफ ट्रैफिक प्रतिबंधित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी स्थित घासीपुरा इलाके में आलमी तब्लीगी इज्तिमे का आयोजन चल रहा है। अंमित दिन दुआ की नमाज हुई। जिसमें लाखों मुस्लिम धर्मावलंबी सम्मिलित हुए। लोगों की सुविधा के लिए आज सुबह 5 बजे से इज्मिता स्थल की तरफ जाने वाले सभई प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहें । भोपाल शहर से इज्तिमा स्थल की तरफ जाने वाले मार्गों जैसे मुबारकपुर से पटेल नगर नया बायपास, गांधी नगर से अयोध्यानगर बायपास, लांबाखेड़ा से करोंद भोपाल टॉकीज, पीरगेट, मोती मस्जिद, रॉयल मार्केट, लालघाटी चौराहा, नादरा बस स्टैण्ड, भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन, अल्पना तिराहा,

भारत टाकीज, बोगदा पुल आदि क्षेत्रों में भारी संख्या में जनसमुदाय एवं वाहनों के सड़कों पर होने से अत्यधिक यातायात दबाव रहा। इसके लिए यातायात पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की है। इस प्रकार होगा आवागमन शहर से एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहन भदभदा चौराहा, नीलबड़, रातीबड़, झागरिया रोड़, खजूरी बायपास, मुबारकपुर बायपास होकर आवागमन करेंगे।

मुख्य रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले वाहन रोशनपुरा, लिंक रोड क्रमांक 2, बोर्ड ऑफिस, चेतक ब्रिज से प्रभात चौराहा, 80 फीट रोड होकर प्लेटफार्म 1 की तरफ आवागमन किया जा सकेगा। यात्री बसों का प्रवेश प्रतिबंधित :- सागर, छतरपुर, दमोह, रायसेन, होशंगाबाद, जबलपुर, छिंदवाडा, बैतूल की ओर से आने वाली बसें 11 मील, मिसरोद, आरआरएल तिराहा, हबीबगंज नाका, सांची दुग्ध संघ होते हुए आईएसबीटी पहुंचेंगी। उसके आगे बसों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। :- इंदौर उज्जैन से आने वाली बसें खजूरी बायपास, बैरागढ़ से हलालपुर बस स्टैण्ड पर अपनी यात्रा समाप्त करेंगी। उसके आगे शहर के अंदर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जिन बसों को सीधे सागर, होशंगाबाद, रायसेन जाना है, वे भी इसी मार्ग से अपने गंतव्य की ओर जाएंगी। :- गुना, राजगढ़, ब्यावरा की ओर से आने वाली बसें श्यामपुर, परवलिया होते हुए मुबारकपुर बायपास से खजूरी सड़क, बैरागढ़ हलालपुर बस स्टैण्ड की ओर जाएंगी। :- विदिशा की ओर से आने वाली यात्री बसें सूखी सेवानिया, चोपड़ा बायपास से भानपुर चौराहा रोटरी पर समाप्त होंगी। इसी प्रकार बैरसिया से आने वाली यात्री बसें गोलखेड़ी से तारासेवनिया, परवलिया रोड, मुबारकपुर बायपास, खजूरी बायपास से बैरागढ़ हलालपुर बस स्टैंड पहुंचेंगी।

गाड़ी टकराने के विवाद पर छुरी से हमला, बाइक सवार घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर इलाके गाड़ी टकराने के विवाद पर एक ठेले वाले और उसके साथी ने बाइक सवार पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शुभम (24) पंचशील नगर में रहता है और प्राइवेट काम करता ह। शुक्रवार की रात करीब 9 बजे उसके एक परिचित ने बताया कि तुम्हारे बड़े भाई रवि के साथ मयूर पार्क के पास ठेले वाले के साथ विवाद हो गया है। शुभम तत्काल मौके पर पहुंचा तो बड़ा भाई घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ा हुआ था। उसके सिर

और पैरों में गंभीर चोट आई थी। पूछने पर रवि वे बताया कि उसकी मोटर सायकिल मयूर पार्क के सामने एक ठेले से टकरा गई थी, जिस पर ठेले वाला गाली-गलौज करने लगा। रवि वे जब उसे गाली देने से मना किया तो उसने अपने साथी के साथ मिलकर उस पर चाकू से हमला कर दिया और दोनों वहां से भाग निकले। उसके बाद शुभम घायल भाई को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल लेकर पहुंचा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022